हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शनिवार • 13.06.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 316 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

SARALA BIRLA UNIVERSITY

YOUR FUTURE STARTS AT

SARALA BIRLA UNIVERSITY

Supported By :
B K BIRLA GROUP OF COMPANIES
ADITYA BIRLA GROUP

ADMISSION OPEN 2026-27

Priya Rani - BBA
Unilever
Key Account Executive

Shubham Raj - MBA
Birla Opus
Marketing Lead

Sakshi Gupta - BCA
Accenture
S & A Services Associate

Sanvi Gupta - BBA
Larsen & Toubro
Project Management GCT

Priyanshi Upadhyay - BCA
Deloitte
Associate Analyst

Navya Sinha - BBA
LEAP SCHOLAR
Education Coach

Satyam - MBA
IDBI Bank
Junior Assistant

Soumya Subarno - Btech. EE
Transrail lighting limited
Supply Chain Management

36 LPA
HIGHEST PACKAGE OFFERED

350+MNCs Including

Learn @ SBU Diploma / UG / PG / Ph.D Programs

Engineering & Computer Sciences | Applied Sciences | Pharmacy | Business Management | Commerce | Legal Studies | Social Sciences | Journalism & Mass Communication | Humanities & Linguistics | Yogic Science & Naturopathy | Art, Culture & Sports | Nursing

In Campus Separate Hostel Facility For Girls & Boys | Bus Facility Available

APPLY NOW | LIMITED SEATS
UP TO 50% SCHOLARSHIP

Scan to Apply

INTERNATIONAL ACADEMIC COLLABORATIONS

University of Minnesota | University of Vermont | Berkeley University of California | Penn | AIT Asian Institute of Technology | The University of Arizona | University of California Merced

1800 890 6077
+9195251 10001
admissions@sbu.ac.in
https://sbu.ac.in
Birla Knowledge City, PO. Mahilong, Purulia Road, Ranchi, Jharkhand, India - 835103

एक नजर

सुब्रत कुमार दाश बने एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी

बड़कागांव: सुब्रत कुमार दाश को एनटीपीसी लिमिटेड की खनन इकाई, एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्ति किया गया। ऊर्जा एवं खनन क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध अनुभव रखने वाले सुब्रत कुमार दाश एनटीपीसी के एक अनुभवी एवं कुशल नेतृत्वकर्ता हैं। विद्युत अभियंत्रण में स्नातक दाश ने वर्ष 1989 में एनटीपीसी में एक्जीक्यूटिव ट्रेनी के रूप में अपने करियर की शुरूआत की थी। अपने लंबे और गौरवशाली कार्यकाल के दौरान उन्होंने संगठन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दायित्व संभालने से पूर्व दाश एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना एवं पीबी-एनडब्ल्यू सीएमपी के परियोजना प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। उनके नेतृत्व में परियोजना ने परिचालन उत्कृष्टता, सुरक्षा मानकों, हितधारक सहभागिता तथा सतत विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने परियोजना के समग्र विकास एवं संगठनात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने कार्यकाल के दौरान श्री दाश ने एनटीपीसी के सिंगरौली, तालचेर कणिहा, कॉर्पोरेट सेंटर में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। उनकी दूरदर्शी सोच, परिणामोन्मुखी कार्यशैली तथा मानव-केंद्रित नेतृत्व के लिए उन्हें व्यापक रूप से सराहा जाता है। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में उनकी नियुक्ति संगठन द्वारा उनकी नेतृत्व क्षमता, अनुभव और कार्यकुशलता पर व्यक्त विश्वास का प्रतीक है। उनके नेतृत्व में एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड परिचालन उत्कृष्टता, तकनीकी नवाचार, सतत विकास तथा उत्तरदायी खनन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड तथा एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के कर्मचारियों, सहयोगियों एवं हितधारकों ने श्री दाश को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड का दायित्व संभालने के साथ-साथ सुब्रत कुमार दाश एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के परियोजना प्रमुख के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहेंगे।

खूंटी जिला के 12 शिक्षक बने योग के मास्टर ट्रेनर

खूंटी: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगमय झारखंड अंतर्गत जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में जिला स्तरीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस वर्ष के योग दिवस का थीम है स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग जिसमें खूंटी जिला के सभी छह प्रखंडों के शारीरिक शिक्षक भाग लिए। इनमें अमृता कुमारी मेहता, जोलन टोपनो ,सावित्री कुमारी, संजय मुंडा ,शशि भूषण कुंडलना ,ग्लैडसन गुड़िया , श्वेता सिंह, अनिल प्रकाश सोए,रीमा अनीता आइंड, मुकेश कुमार एवं स्टेला टोपनो शामिल थे। प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा एवं खेल कोषांग झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के चंद्रदेव सिंह एवं योग प्रशिक्षक नामित नाग ने प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अजय कुमार के संयोजन में सफलता पूर्वक प्रशिक्षण शिविर संपन्न कराया। इस अवसर पर जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के प्रभारी श्रवण कुमार जयसवाल, संतोष कुमार, अजय गंजू सहित अन्य मौजूद थे।

किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आम उत्सव सह बागवानी मेला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती के निदेर्शानुसार ग्रामीण विकास विभाग एवं जेएसएलपीएस, हजारीबाग द्वारा बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत शुक्रवार को झील परिसर स्थित एम्फीथिएटर में आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन उप विकास आयुक्त रिया सिंह एवं महापौर अरविंद राणा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मेले में जिले के विभिन्न प्रखंडों के किसानों, आम उत्पादकों तथा जेएसएलपीएस के स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्टॉल लगाकर आम एवं आम से निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। मेले में मियांजाकी, आम्रपाली, स्वर्णरेखा, तोतापरी, मालदा, मलिका, हिमगिरी, हिमसागर, अल्फांसो, दशहरी एवं लंगड़ा सहित विभिन्न किस्मों के आम प्रदर्शित किए गए। इसके अतिरिक्त आम का अचार, लड्डू, चटनी, मुरब्बा, जेली एवं आमचूर जैसे उत्पाद भी बिक्री हेतु उपलब्ध रहे। कार्यक्रम के दौरान आम उत्पादक किसानों ने अपने अनुभव साझा किए तथा आम उत्पादन की संभावनाओं एवं तकनीकों की जानकारी दी। किसानों ने बागवानी आधारित आजीविका को बढ़ावा देने तथा अन्य किसानों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त हेमन्त सती, उप विकास आयुक्त रिया सिंह एवं महापौर अरविंद राणा ने मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उपायुक्त हेमन्त सती ने कहा कि मेले का उद्देश्य बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत विकसित आम बागानों से प्राप्त उत्पादन के विपणन को प्रोत्साहित करना तथा किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन उत्पादकों एवं व्यापारियों के बीच समन्वय स्थापित करने में सहायक होंगे तथा किसानों, विशेषकर महिला किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त करने में मदद करेंगे। आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जाएगा। उन्होंने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि आम नागरिकों एवं व्यापारी वर्ग तक जिला प्रशासन की इस पहल को पहुंचाने का कार्य करें ताकि व्यापारी वर्ग भी इस उत्सव में शामिल होकर इसका लाभ प्राप्त करें। उप विकास आयुक्त रिया सिंह ने कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत लगाए गए आम के पौधों से अब उत्पादन प्राप्त होने लगा है। किसानों को उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य दिलाने तथा स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस मेले का आयोजन किया गया है। उन्होंने आम नागरिकों एवं व्यापारियों से मेले में शामिल होकर इसका लाभ उठाने की अपील की।

सलगावां में आयोजित 9 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की कलश यात्रा में शामिल हुए विधायक प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक प्रदीप प्रसाद शुक्रवार को कटकमदाग प्रखंड के सलगावां गांव में आयोजित 9 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की भव्य कलश यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की।

कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, मातृशक्ति एवं युवा वर्ग उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला तथा वैदिक मंत्रोच्चार और जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य जीतन राम जी, सांसद प्रतिनिधि अजय साहू जी, सांसद प्रतिनिधि मिथिलेश यादव जी, इंद्र नारायण कुशवाहा जी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। महायज्ञ समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक चेतना तथा सामाजिक समरसता का संदेश देता है। उन्होंने आयोजन समिति के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि समिति के सदस्य पूरे तन, मन और समर्पण भाव से श्रद्धालुओं की सेवा में लगे हुए हैं, जो अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए समिति के सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए महायज्ञ के माध्यम से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

आम की बागवानी का अवलोकन करने पहुंचे विधायक प्रदीप प्रसाद, पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों की सराहना की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद आज कटकमदाग प्रखंड के परहेरिया गांव स्थित भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता संजय शर्मा जी के आम के बागान पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बागवानी का अवलोकन किया तथा पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास की दिशा में किए जा रहे उनके सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की। संजय शर्मा ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा तथा "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान से जुड़कर अपने क्षेत्र में आम के 1700 से अधिक पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित एवं विकसित करने का अनुकरणीय कार्य किया है। उनके इस प्रयास ने न केवल पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा दी है, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बना है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को लेकर जनजागरण का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें आमजन की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने संजय शर्मा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर पौधारोपण और वृक्षों के संरक्षण का कार्य करे, तो आने वाले समय में हमारा क्षेत्र और अधिक हरित एवं स्वच्छ बन सकता है। इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि "हरित हजारीबाग" के निर्माण हेतु वे लगातार कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में प्रतिवर्ष लाखों पौधों का रोपण किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ क्षेत्र को हरियाली से आच्छादित करने का लक्ष्य साकार हो रहा है।

स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय ट्रस्ट एवं संचालन समिति की संयुक्त बैठक, हुई समीक्षा

बरही में बढ़ती नशापान पर जताई चिंता जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय में स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय ट्रस्ट एवं स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय संचालन समिति की संयुक्त बैठक हुई। अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष प्रो हीरामन साव एवं संचालन ट्रस्ट के सचिव कृष्णा प्रजापति एवं संजय दुबे ने किया। इस बैठक में पिछले 24 मई को आयोजित प्रतिभा सह विद्यालय सम्मान समारोह की समीक्षा की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाली टीम की सराहना की गई। बैठक में बरही में बढ़ती नशापान एवं उसके दुष्परिणाम पर चिंता जाहिर किया गया । साथ ही निर्णय लिया गया कि पुस्तकालय टीम बरही पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। विद्यालय स्तर पर बैठक कर क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन करने पर जोर दिया गया। पुस्तकालय के जरूरी शिक्षण सामग्री व्यवस्था करने पर जोर दिया गया। सूची बनाकर ट्रस्ट को दिया गया। प्रतियोगी पुस्तक उपलब्ध करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष प्रो हीरामन साव, सचिव कृष्णा प्रजापति, उपाध्यक्ष डॉ संगीता चौधरी, उपाध्यक्ष महेंद्र प्रसाद दुबे, स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार दत्त, सचिव संजय कुमार सुमन, कोष प्रभारी दिनेश्वर यादव, पाठ्यक्रम प्रभारी सतेंद्र कुमार शर्मा, मनोज घोष, रंजीत सिंह, सुजीत प्रधान आदि लोग मौजूद रहे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जनता दरबार का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रखा। जनता दरबार में मुख्य रूप से पेंशन, पेयजल आपूर्ति, प्लॉट ऑनलाइन, एनटीपीसी मुआवजा, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अबुआ आवास योजना का लाभ, रोजगार, भू-मापी, म्यूटेशन सहित अन्य जनहित से जुड़े मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार के दौरान स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त कर्मी श्री राम कृपाल ठाकुर ने अपने लंबे समय से लंबित पेंशन भुगतान से संबंधित समस्या उपायुक्त के समक्ष रखी। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पेंशन भुगतान में आ रही सभी बाधाओं को दूर करते हुए एक सप्ताह के भीतर उन्हें पेंशन का लाभ सुनिश्चित किया जाए। जनता दरबार में प्राप्त अन्य मामलों पर भी संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करें तथा लोकहित को सर्वोपरि रखते हुए समस्याओं का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें।

उपायुक्त की अध्यक्षता में समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना एवं प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि ये दोनों योजनाएं महिलाओं एवं किशोरियों के सशक्तिकरण तथा मातृ स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि योजनाओं के लाभुकों के चयन एवं स्वीकृति में अतिरिक्त सावधानी बरती जाए, ताकि कोई भी पात्र लाभुक योजना से वंचित न रहे तथा किसी भी अपात्र व्यक्ति का चयन न हो। जिले में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्रों की मूल अवधारणा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश के बच्चों में व्यक्तिगत स्वच्छता की आदत विकसित करना, पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना तथा प्रारंभिक शिक्षा के अंतर्गत गिनती, वर्णमाला, पहाड़ा आदि का ज्ञान देना आंगनबाड़ी केंद्रों का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने बच्चों में अनुशासन एवं स्वच्छता की भावना विकसित करने के लिए उन्हें साफ-सुथरे कपड़े, यूनिफॉर्म, जूते एवं मोजे उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन निर्धारित तिथि पर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वीएचएसएनडी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उपायुक्त ने डीआरसीएचओ को निर्देश दिया कि विशेष रूप से दुर्गम क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रत्येक माह वीएचएसएनडी कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बाल संरक्षण विभाग की मासिक प्रगति प्रतिवेदन की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी लेते हुए चाइल्ड वेलफेयर कमिटी, स्पॉन्सरशिप योजना, दत्तक ग्रहण तथा अन्य योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को उनके बालपन एवं अधिकारों से संबंधित संरक्षण उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

बीडीओ ने विशेष देखभाल केंद्र का किया निरीक्षण

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत करियातपुर में में संचालित अनाथालय और दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित विशेष देखभाल केंद्र का प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने निरीक्षण किया। इस संवेदनशील दौरे का मुख्य उद्देश्य केंद्र की व्यवस्थाओं को परखना और बच्चों की बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करना था। साथ ही निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने बच्चों के रहने के कमरों, भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और स्वास्थ्य सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। और उन्होंने वहां मौजूद दिव्यांग बच्चों से सीधे बातचीत की और उनके लिए चलाई जा रही विशेष थेरेपी व शिक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। वहीं उन्होंने केंद्र संचालक को निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों की देखभाल और सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही साथ कहा कि सरकार की तरफ से मिलने वाली सहायता को सुचारू रूप से पहुंचाने और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए हर संभव प्रशासनिक सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस दौरान केंद्र के स्टाफ समेत स्थानीय अधिकारी मौजूद रहे।

बारीयट्टा प्राथमिक मध्य विद्यालय में आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित, 67 मरीजों की हुई जांच

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत बारीयट्टा प्राथमिक मध्य विद्यालय में गुरुवार को आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं तथा विभिन्न रोगों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया। शिविर में मुख्य रूप से डॉ. अंकुर विहान, बिजेंद्र कुमार, माया देवी, बबिता देवी, फुल देवी, रीना वर्मा, सनौवर प्रवीण, सलेन्द्र कुमार, विक्रम कुमार एवं शमसाद आलम उपस्थित रहे। स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी। शिविर के दौरान कुल 67 मरीजों का ओपीडी पंजीकरण किया गया, जिसमें 16 पुरुष एवं 51 महिला मरीज शामिल थे। वहीं 49 लोगों की एनसीडी (गैर-संचारी रोग) जांच, 64 लोगों का एक्स-रे तथा 4 लोगों का स्पुटम (कफ) सैंपल संग्रह किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। चिकित्सकों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों ने ऐसे शिविरों के आयोजन को लाभकारी बताते हुए स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

पत्रकारिता के साथ समाज सेवा की मिसाल बना युवा प्रेस क्लब, 25 लोगों ने किया रक्तदान

चौपारण : पत्रकारिता के दायित्वों के साथ सामाजिक सरोकारों को निभाने की पहल करते हुए युवा प्रेस क्लब चौपारण की ओर से शुक्रवार को सब्जी मार्केट स्थित माँ सावत्री मेडिकल हॉल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं, पत्रकारों, समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें करीब 25 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर का उद्घाटन युवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश सिंह ने किया। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग की टीम ने पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ रक्त संग्रह किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीडीओ नितेश भास्कर ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में सहायक हो सकता है। मौके पर हजारीबाग प्रेस क्लब के पूर्व सचिव बिस्मय अलंकार और उपाध्यक्ष विशाल सिन्हा भी पहुंचे। उन्होंने युवा प्रेस क्लब की इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि पत्रकारों की भूमिका केवल खबरों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा में भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। युवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश सिंह ने कहा कि क्लब भविष्य में भी जनहित से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। सचिव मनीष सिन्हा ने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। शिविर में मुकेश सिंह, मनीष सिन्हा, राजेश सहाय, मुकुंद साव, दीपक गुप्ता, अभिमन्यु प्रसाद भगत, विकास गुप्ता, शेखर पांडेय, रविंद्र पांडेय, सौरभ पांडेय, संजय यादव, नागेंद्र कुशवाहा सहित कई लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान रक्तदाता दीपक गुप्ता का जन्मदिन भी मनाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा प्रेस क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई। बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी से आयोजित यह रक्तदान शिविर मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देने में सफल रहा।

खूंटी जिला के 12 शिक्षक बने योग के मास्टर ट्रेनर

खूंटी: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगमय झारखंड अंतर्गत जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में जिला स्तरीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस वर्ष के योग दिवस का थीम है स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग जिसमें खूंटी जिला के सभी छह प्रखंडों के शारीरिक शिक्षक भाग लिए। इनमें अमृता कुमारी मेहता, जोलन टोपनो , सावित्री कुमारी, संजय मुंडा ,शशि भूषण कुंडलना,ग्लैडसन गुड़िया , श्वेता सिंह, अनिल प्रकाश सोए,रीमा अनीता आइंड, मुकेश कुमार एवं स्टेला टोपनो शामिल थे। प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा एवं खेल कोषांग झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के चंद्रदेव सिंह एवं योग प्रशिक्षक नामित नाग ने प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अजय कुमार के संयोजन में सफलता पूर्वक प्रशिक्षण शिविर संपन्न कराया। इस अवसर पर जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के प्रभारी श्रवण कुमार जयसवाल, संतोष कुमार, अजय गंजू सहित अन्य मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • शनिवार • 13.06.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 316 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

दिग्गज शूटर जसपाल राणा का निधन

नयी दिल्ली : भारतीय खेल जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। देश के दिग्गज निशानेबाज, एशियन गेम्स स्वर्ण पदक विजेता और भारतीय शूटिंग टीम के पूर्व कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित वर्ल्ड कप प्रतियोगिता से लौटने के बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की टीम लगातार उनका इलाज कर रही थी, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

विमान में बम होने की आशंका से मची अफरातफरी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को उस समय भारी अफरातफरी और हड़कंप मच गया, जब दिल्ली जाने के लिए पूरी तरह तैयार इंडिगो के एक विमान में बम होने की आशंका जताई गई। विमान अपने निर्धारित समय सुबह करीब 10:45 बजे उड़ान भरने ही वाला था और सभी 180 यात्री अपनी सीटों पर बैठ चुके थे। इसी अंतिम क्षण में विमान के चालक दल (केबिन क्रू) को शौचालय (टॉयलेट) के भीतर एक संदिग्ध टिशू पेपर मिला, जिस पर अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में 'बॉम' लिखा हुआ था। इस पर्ची के मिलते ही चालक दल के होश उड़ गए और तुरंत इसकी सूचना विमानन अधिकारियों तथा सुरक्षा एजेंसियों को दी गई।

जे क्लेटन बनेंगे अमेरिका के शीर्ष खुफिया प्रमुख

वाशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जाने-माने अभियोजक और पूर्व बाजार नियामक प्रमुख जे क्लेटन को अगला स्थायी डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस (डीएनआई) नामित करने की घोषणा की है। ट्रम्प ने अपने 'ट्रुथ सोशल' प्लेटफॉर्म पर गुरुवार को यह फैसला घोषित किया जो उनके उस पिछले विवादित कदम के बाद पैदा हुए भारी राजनीतिक गतिरोध के बीच आया है, जिसमें उन्होंने अपने वफादार सहयोगी बिल पुल्टे को कार्यवाहक खुफिया प्रमुख नियुक्त कर दिया था। राष्ट्रीय सुरक्षा या खुफिया मामलों का कोई अनुभव न होने के कारण रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों ही दलों के सांसदों ने पुल्टे की नियुक्ति की तीखी आलोचना की थी।

सरकारी शिक्षक बनने का सपना देख रहे अभ्यर्थियों का लंबा इंतजार हुआ खत्म

मुख्यमंत्री 29 जून को 1018 शिक्षकों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में सरकारी शिक्षक बनने का सपना देख रहे अभ्यर्थियों का लंबा इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आगामी 29 जून को एक विशेष राज्य स्तरीय समारोह में 1018 चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन सभागार में होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

नियुक्ति पत्र पाने वाले इन सभी अभ्यर्थियों का चयन झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा किया गया है। इसमें प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 5) और मध्य विद्यालय (कक्षा 6 से 8) के शिक्षक शामिल हैं। आयोग की अनुशंसा के बाद जिला स्तर पर इन सभी की काउंसलिंग प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है।

महत्वपूर्ण जानकारियां

- नियुक्ति पत्र वितरण की तिथि: 29 जून 2026
- कुल लाभार्थी शिक्षक: 1018 अभ्यर्थी
- चयनकर्ता एजेंसी: झारखंड कर्मचारी चयन आयोग
- समारोह स्थल: प्रोजेक्ट भवन सभागार, रांची
- विभाग: स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड

26,001 पदों पर बहाली का है लक्ष्य

झारखंड सरकार का लक्ष्य सहायक आचार्य के कुल 26,001 पदों को चरणबद्ध तरीके से भरना है। शिक्षा विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, अब तक लगभग 10 हजार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री ने 319 सहायक आचार्यों को भी नियुक्ति पत्र सौंपे थे, जिनमें 198 प्राथमिक और 121 मध्य विद्यालय के शिक्षक शामिल थे। सरकार का दावा है कि शेष बचे रिक्त पदों पर भी भर्ती प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाएगी।

सरकारी स्कूलों में दूर होगी शिक्षकों की कमी

राज्य के प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में लंबे समय से शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे थे। इन नए शिक्षकों के योगदान देने से सरकारी स्कूलों में पठन-पाठन की गुणवत्ता में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। शिक्षा विभाग के जानकारों का मानना है कि इस कदम से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के स्कूलों को नई ऊर्जा मिलेगी।

ममता बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें
एफआईआर दर्ज, टीएमसी में बगावत तेज

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस समय भारी उथल-पुथल मची हुई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर गहराते आंतरिक संकट के बीच पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ गई हैं। वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान एक राजनीतिक रैली में कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में ममता बनर्जी के खिलाफ कोलकाता के सेंट्रल डिवीजन के हेयर स्ट्रीट पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत यह मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह कानूनी कार्रवाई ऐसे समय पर हुई है जब राज्य में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद टीएमसी गंभीर आंतरिक फूट से जूझ रही है। इस चुनाव में महज 80 सीटें जीतने वाली टीएमसी को उस वक्त बड़ा झटका लगा जब विधायक ऋतब्रत बनर्जी ने पार्टी से बगावत कर दी और उनके साथ 64 विधायक आ गए। विद्रोह की यह आग सिर्फ विधानसभा तक सीमित नहीं रही, बल्कि लोकसभा और राज्यसभा सांसदों में भी दरार देखने को मिल रही है। सायोनी घोष और यूसुफ पठान समेत करीब 20 सांसदों ने एक अलग गुट बनाने के लिए पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि राज्यसभा से सुष्मिता देव समेत कई सांसदों ने अपने इस्तीफे सौंप दिए हैं। इन हालातों ने ममता बनर्जी की पार्टी पर पकड़ को काफी कमजोर कर दिया है।

इसी बीच, विधानसभा अध्यक्ष द्वारा बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को सदन में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किए जाने के फैसले को लेकर भी सियासी और कानूनी जंग छिड़ गई है। टीएमसी नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर कर इस फैसले को चुनौती दी है। उनके वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने अदालत में दलील दी कि नेता प्रतिपक्ष चुनने का अधिकार विधायक दल को नहीं बल्कि मूल राजनीतिक दल को होता है और विधानसभा अध्यक्ष पार्टी के फैसले को मानने के लिए बाध्य हैं। उन्होंने स्पीकर के इस कदम को संविधान के मूल ढांचे पर चोट बताया है।

सरकार का बड़ा फैसला: पेट्रोल पंपों से उद्योगों को नहीं मिलेगा तेल

एजेंसी

नयी दिल्ली : मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने पेट्रोल पंपों से थोक में पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध अगले 90 दिनों तक लागू रहेगा। सरकार के इस फैसले का मकसद आम जनता के लिए ईंधन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना और जमाखोरी की संभावनाओं को रोकना है। नए आदेश के तहत अब इंडस्ट्रियल, कमर्शियल और इंस्टीट्यूशनल उपभोक्ता सीधे पेट्रोल पंपों से बड़ी मात्रा में पेट्रोल या डीजल नहीं खरीद सकेंगे।

हाल के दिनों में थोक और खुदरा ईंधन कीमतों के बीच बड़ा अंतर देखने को मिला है। इसी वजह से कई बड़े खरीदार अधिक महंगे बल्क सप्लाई चैनल की बजाय सीधे रिटेल पेट्रोल पंपों से डीजल और पेट्रोल खरीदने लगे थे। इस स्थिति से आम उपभोक्ताओं के लिए ईंधन संकट की आशंका बढ़ने लगी थी। सरकार को डर था कि यदि यही स्थिति जारी रही तो पेट्रोल पंपों पर उपलब्ध स्टॉक तेजी से खत्म हो सकता है। इसी खतरे को देखते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने हस्तक्षेप करते हुए नए नियम लागू किए हैं।

मोदी और मैक्रों कल करेंगे 'भारत इनोवेट्स' का उद्घाटन

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 14 जून को फ्रांस के नीस में भारत इनोवेट्स 2026 का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे। शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य भारत के डीप-टेक स्टार्टअप, नवाचार और अनुसंधान क्षमता को वैश्विक निवेशकों तथा उद्योग जगत के सामने प्रस्तुत करना है। शिक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि कार्यक्रम में भारत के 120 नवप्रवर्तक, 15 से अधिक उच्च शिक्षण संस्थान, 500 से अधिक निवेशक, प्रमुख कॉरपोरेट कंपनियां, वेंचर कैपिटल फर्म, वैश्विक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और उद्योग जगत के नेता भाग लेंगे।

अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा तैयारियां तेज, गृह मंत्री ने दिए अहम निर्देश

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आगामी अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा और व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार श्रद्धालुओं की सर्वोच्च सुरक्षा और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नई दिल्ली में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि यात्रा मार्ग पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से बहुस्तरीय और अभेद्य सुरक्षा घेरा तैयार किया जाए। उन्होंने ड्रोन, सीसीटीवी निगरानी, सर्विलांस प्रणाली तथा अन्य आधुनिक तकनीकों के व्यापक उपयोग पर विशेष जोर दिया।

अमित शाह ने कहा कि यात्रा के दौरान विभिन्न सुरक्षा बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शिविर स्थलों तथा यात्रा मार्ग की लगातार निगरानी करें। साथ ही श्रद्धालुओं के पंजीकरण, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं, संचार व्यवस्था और आपदा प्रबंधन से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

सरकारी इमारत में लगी आग 4000 ईवीएम जलकर खाक

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहाँ के अलीपुर इलाके में स्थित एक सरकारी बहुमंजिला इमारत में अचानक भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में लगभग 4000 इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दमकल विभाग के कर्मियों को इस पर पूरी तरह काबू पाने में करीब 24 घंटे का समय लग गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली है और उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना दक्षिण कोलकाता के अलीपुर में स्थित एक नौ मंजिला इमारत की है, जहां बुधवार को अचानक आग की लपटें उठने लगीं। इस इमारत में विभिन्न सरकारी विभागों के अतिरिक्त दक्षिण 24 परगना जिला परिषद का कार्यालय भी संचालित हो रहा था।

सड़क हादसे में 3 थानाध्यक्ष समेत 4 की मौत

एजेंसी

बेगूसराय : बिहार के बेगूसराय में एनएच 31 पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ है, जिसमें तीन थाना प्रभारी और एक निजी कार चालक समेत चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के बखड्डा के पास की है, जहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही बेगूसराय के एसपी मनीष कुमार और सदर डीएसपी आनंद पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। मृतकों की पहचान मधेपुरा जिले के अलग-अलग थानों में तैनात पुलिस अधिकारियों के रूप में हुई है, जिनमें रतवारा थाना प्रभारी साजन पासवान, बेलारी थाना प्रभारी नीरज कुमार और आरर थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र अमरेंद्र शामिल हैं। इसके साथ ही निजी कार चालक ज्योतिष कुमार की भी इस हादसे में जान चली गई। बताया जा रहा है कि ये सभी अधिकारी पटना से एकदिवसीय प्रशिक्षण पूरा करने के बाद एक ही कार में सवार होकर वापस मधेपुरा लौट रहे थे।

बिजनेस जगत में नया इतिहास

एलन मस्क बने दुनिया के पहले 'ट्रिलियनेयर'

एजेंसी

नयी दिल्ली : वैश्विक कॉरपोरेट और वित्तीय इतिहास में एक अभूतपूर्व अध्याय जुड़ गया है। दिग्गज अमेरिकी उद्योगपति और तकनीकी दूरदर्शी एलन मस्क आधिकारिक तौर पर दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन गए हैं। उनकी अंतरिक्ष अनुसंधान कंपनी स्पेसएक्स के ब्लॉकबस्टर आईपीओ के बाद मस्क की कुल संपत्ति 1.1 ट्रिलियन डॉलर यानी लगभग 91 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। इस ऐतिहासिक उछाल के साथ मस्क ने दुनिया के बाकी अमीर दिग्गजों को मीलों पीछे छोड़ दिया है। अब तक के इतिहास में कोई भी व्यक्ति व्यक्तिगत संपत्ति के इस जादुई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका था।

लंबे समय से यह कयास लगाए जा रहे थे कि मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी 'टेस्ला' उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाएगी, लेकिन बाजी स्पेसएक्स ने मारी। हाल ही में शेयर बाजार में कदम रखते हुए स्पेसएक्स ने इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च कर 75 अरब डॉलर जुटाए। कंपनी ने 135 डॉलर प्रति शेयर की कीमत पर 555.56 मिलियन शेयर जारी किए, जिससे स्पेसएक्स का कुल मूल्यांकन 1.77 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। इस नई वैल्यूएशन के आधार पर स्पेसएक्स में मस्क के अकेले के शेयरों की कीमत करीब 866 अरब डॉलर आंकी गई है, जिसने कंपनी को दुनिया के सबसे मूल्यवान संस्थानों में शुमार कर दिया है।

आईपीओ से पहले फोर्ब्स के आंकड़ों के अनुसार मस्क की संपत्ति लगभग 780 अरब डॉलर थी, लेकिन इस लिस्टिंग के बाद यह सीधे 1.1 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई। तुलना के लिए, दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति लैरी पेज की अनुमानित संपत्ति करीब 300 अरब डॉलर है। इसका मतलब यह है कि मस्क अब अपने सबसे नजदीकी प्रतिद्वंद्वी से भी तीन गुना से अधिक अमीर हैं।

भारतीय जहाज पर अमेरिकी हमले से बढ़ा तनाव: भारतीय नाविकों की मौत पर ईरान ने अमेरिका को बताया लुटेरा

एजेंसी

नयी दिल्ली : मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) में लगातार बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच एक भारतीय व्यापारिक जहाज पर हुए हमले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नया विवाद खड़ा कर दिया है। भारतीय व्यापारिक मालवाहक जहाज 'एमटी सेंटेवेलो' पर हुए इस भीषण हमले में तीन भारतीय नाविकों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि राहत और बचाव दल द्वारा चालक दल के इक्कीस अन्य सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। इस गंभीर घटना के बाद क्षेत्र में कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है।

भारतीय नाविकों की मौत पर ईरान ने बेहद तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और वह अमेरिका पर पूरी तरह भड़क गया है। ईरान सरकार ने आधिकारिक तौर पर अमेरिका पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए इस घटना को 'राज्य प्रायोजित समुद्री डकैती' करार दिया है। ईरान ने अमेरिकी प्रशासन की आलोचना करते हुए उसे 'समुद्री लुटेरा' बताया है, जिससे अमेरिका और ईरान के बीच पहले से जारी तल्खी और ज्यादा गहरी हो गई है।

इस संवेदनशील घटनाक्रम का असर भारत की आंतरिक राजनीति पर भी देखने को मिल रहा है। तीन भारतीय नाविकों की मौत और व्यापारिक जहाज को निशाना बनाए जाने के मामले को लेकर विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस घटना को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा निशाना साधा है। उन्होंने केंद्र की मौजूदा नीतियों पर सवाल उठाते हुए इसे भारत की विदेश नीति की एक बड़ी चूक और विफलता बताया है।

एक नजर

मुहर्रम से पहले हजारीबाग पुलिस अलर्ट, एसपी ने दिए 12 सख्त निर्देश

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक और थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। आगामी मुहर्रम त्योहार 2026 और लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन को लेकर बैठक में 12 बिंदुओं पर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि मुहर्रम के दौरान जिले में कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने पूर्व में हुई सांप्रदायिक घटनाओं की समीक्षा कर उनमें शामिल फरार आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी का आदेश दिया। साथ ही जिले में निकलने वाले सभी लाइसेंसी और गैर-लाइसेंसी जुलूसों की सूची तैयार कर अभी से उन पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया। महिला प्रताड़ना, हिंसा और अनुसूचित जाति/जनजाति से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने 60 दिनों के भीतर ऐसे सभी कांडों का निष्पादन करने का निर्देश दिया। वर्ष 2025 से पहले के सभी लंबित कांडों को भी प्राथमिकता के आधार पर निपटाने को कहा गया है। इसके अलावा थानों में लंबित जमानती, गैर-जमानती वारंट, इश्तेहार और कुर्की-जब्ती के मामलों पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई के आदेश दिए गए। संगठित अपराध पर लगाम लगाने के लिए अवैध मादक पदार्थों के ठिकानों को चिन्हित कर विशेष अभियान चलाने और अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा गया।

पेड़ से लटका मिला छात्रा का शव, हत्या की आशंका

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के मुफस्सिल थाना अंतर्गत पांड्रासाली ओपी क्षेत्र में छात्रा आशा माई तीयू (18) का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका गिंदीमुंडी गांव की रहने वाली थी और चाईबासा स्थित नगरपालिका बांग्ला मध्य विद्यालय की छात्रा थी। लोपोर सिंह तीयू, मृतका के पिता और दामू तीयू , मृतका का चाचा के अनुसार, आशा माई तीयू का शव उसके गांव से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर कुंभराम गांव के समीप स्थित पुण्डुगुटु जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ मिला। शुक्रवार सुबह जंगल में पत्ता तोड़ने गई महिलाओं ने शव देखा, जिसके बाद इसकी सूचना ग्रामीणों को दी गई। इसके बाद कुंभराम गांव के मुखिया के माध्यम से मृतका के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान आशा माई तीयू के रूप में की। मृतका के पिता लोपोर सिंह तीयू ने बताया कि उनकी बेटी बुधवार से लापता थी और परिवार लगातार उसकी तलाश कर रहा था। उन्होंने आशंका जताई कि उनकी बेटी की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाया गया है।

कार ने दो स्कूली छात्राओं को रौंदा एक छात्रा गंभीर

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के आयता गांव चौक पर शुक्रवार सुबह हुए एक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। स्कूल बस का इंतजार कर रही दो छात्राएं उस समय घायल हो गईं, जब एक तेज गति से आ रहे ट्रेलर ने एक कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार नियंत्रण खो बैठी और सड़क किनारे खड़ी दोनों बच्चियों को अपनी चपेट में लेते हुए आगे बढ़ गई। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार, छात्रा अनुष्का कुमारी पान (07) और लवली तांती (08) सुबह स्कूल जाने के लिए सड़क किनारे एक होटल के पास खड़ी थीं। उसी दौरान होटल की ओर मुड़ रही एक कार को पीछे से आ रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार कई फीट तक घिसटती चली गई और दोनों छात्राओं से जा टकराई।

नीट-2026 को लेकर प्रशासन अलर्ट कदाचारमुक्त परीक्षा के लिए तैयार हुआ खाका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-2026 के सफल, शांतिपूर्ण एवं पूर्णतः कदाचारमुक्त आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में शुक्रवार को उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने कहा कि नीट जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परीक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने तथा परीक्षा को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और सख्ती के साथ संपन्न कराने का निर्देश दिया।

बैठक में बताया गया कि जिले में इस वर्ष नीट-2026 के लिए तीन परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इनमें केंद्रीय विद्यालय रामगढ़, केंद्रीय विद्यालय बरकाकाना तथा आर्मी पब्लिक स्कूल रामगढ़ शामिल हैं। सभी केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

अभ्यर्थियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए उपायुक्त ने केंद्राधीक्षकों को पेयजल, शौचालय, विद्युत, प्रकाश व्यवस्था एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही अभ्यर्थियों के सुचारू प्रवेश और परीक्षा संचालन के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मियों की तैनाती करने का निर्देश दिया गया।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। पुलिस प्रशासन को परीक्षा केंद्रों के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करने तथा परीक्षा अवधि के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। वहीं जिला शिक्षा अधीक्षक को सभी तैयारियों की सतत निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण मुरारी तिर्की, जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम, जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं केंद्राधीक्षक उपस्थित थे।

गृह रक्षक बहाली के लिए बनी विशेष स्क्रूटनी कमेटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड गृह रक्षा वाहिनी के अंतर्गत गृह रक्षकों की बहाली प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त ऋतुराज ने की, जिसमें भर्ती प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में ग्रामीण एवं शहरी गृह रक्षक बहाली से संबंधित तैयारियों, आवेदन जांच प्रक्रिया और आगामी कार्ययोजना की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि गृह रक्षक भर्ती के लिए अब तक लगभग 16 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे युवाओं में इस बहाली को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। आवेदनों की बड़ी संख्या को देखते हुए उपायुक्त ने सभी आवेदन पत्रों की सूक्ष्म एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के लिए विशेष स्क्रूटनी कमेटी गठित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया में केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को शामिल किया जाएगा, जो निर्धारित मानकों एवं पात्रता शर्तों को पूरा करते हों।

उपायुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि आवेदन जांच की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और जवाबदेह होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर अनियमितता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

हर बच्चे तक पहुंचेगी जिंदगी की दो बूंद, 28 जून से शुरू होगा विशेष पल्स पोलियो अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने और 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को सुरक्षित भविष्य देने के उद्देश्य से 28 से 30 जून 2026 तक विशेष पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता सिविल सर्जन-सह-जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने की।

कार्यशाला में बताया गया कि अभियान के दौरान जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाई जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाएं।

इस अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एसएमओ डॉ. सुधानन्द रांची ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों, जिला एवं प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधन इकाइयों, एसटीटी, बीटीटी तथा सामुदायिक स्वास्थ्य समन्वयकों को पोलियो उन्मूलन, टीकाकरण रणनीति और शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने संबंधी विस्तृत प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता के लिए जनसहभागिता और प्रभावी निगरानी बेहद महत्वपूर्ण है।

बैठक में सभी प्रखंडों को विस्तृत माइक्रो प्लान तैयार करने, पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन एवं आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा गांव-गांव तक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

एक दिवसीय आम महोत्सव सह बागवानी मेला का किया गया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : प्रखण्ड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को तत्वाधान में बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत एक दिवसीय आम महोत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया गया। आम महोत्सव सा बागवानी मेला का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो ,अंचलाधिकारी परमेश्वर कुशवाहा,सी डी पी ओ गीता सोय ने दीप प्रज्ज्वलित व फीता काटकर किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के किसानों,आम उत्पादकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। मेले में बांसडीह के के किसान रामचन्द्र यादव ने आम की बिभिन्न उन्नत किस्मों के साथ साथ अन्य बागवानी फसलों काजु, सेव समेत अन्य बागवानी फसलों की प्रदर्शनी लगाए थे। वहीं क्षेत्र के कई किसान आम के किस्म को लेकर मेले में आए थे, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस अवसर पर कृषि एवं बागवानी विशेषज्ञों ने किसानों को आम एवं फलदार पौधों की वैज्ञानिक खेती,रोग नियंत्रण, पौधा संरक्षण तथा उत्पादन बढ़ाने के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी। प्रखंड विकास पदाधिकारी मरकच्चो हुलास महतो एवं अंचलाधिकारी मरकच्चो परमेश्वर कुशवाहा ने उपस्थित किसानों को बागवानी को आय का बेहतर स्रोत बताते हुए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। मेले में लगाए गए विभिन्न स्टालों का निरीक्षण प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो, अंचलाधिकारी मरकच्चो परमेश्वर कुशवाहा, सीडीपीओ गीता सोय समेत अन्य अतिथियों के द्वारा किया गया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बी सी ओ लक्ष्मीकांत लोहरा, ए ई चितरंजन कुमार,जे ई कर्ण कुमार मेहरा, राजेश आंगनवाड़ी की महिला पर्यवेक्षिका माधुरी कुमारी समेत कई किसान उपस्थित थे।

बीडीओ ने की आवास योजनाओं की समीक्षा, लंबित कार्यों पर जताई नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो द्वारा शुक्रवार को डगरनवां एवं कादोडीह पंचायत के विभिन्न गांवों में अबुआ आवास योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित आवासों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान किस्त मिलने के बावजूद आवास पूर्ण नहीं करने वाले लाभुकों को सख्त चेतावनी दी गई। बीडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सरकारी राशि का उपयोग करने के बाद भी आवास कार्य अधूरा छोड़ने पर संबंधित लाभुकों को योजनाओं से वंचित किया जा सकता है। साथ ही सभी को 10 दिनों के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

लंबित आवास वाले लाभुकों में सुखदेव राय, तारा देवी, ढोड़न राय, जमुना देवी, रेखा देवी, बच्चन देवी, संगीता देवी, कैलाश देवी, राजकुमार तुरी, सुसनी देवी, नीलम देवी एवं अन्य शामिल हैं।

निरीक्षण के दौरान प्रखंड समन्वयक रवि कुमार, पंचायत सचिव करण कुमार साव (कादोडीह), विमलेश पासवान (डगरनवां) एवं ग्राम रोजगार सेवक व पंचायत सहायक उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बालश्रम के खिलाफ न्यायालय की हुंकार बच्चों के अधिकारों की रक्षा का लिया संकल्प

रामगढ़ : विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर शनिवार को व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ के कॉन्फ्रेंस हॉल में बाल श्रम एवं बाल तस्करी उन्मूलन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अग्रगति परियोजना एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इसकी अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार मो. तौफीकुल हसन ने की। कार्यक्रम में बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल श्रम उन्मूलन पर जोर दिया गया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अनिल कुमार, अग्रगति परियोजना प्रभारी किरण शंकर दत्त सहित अन्य अधिकारी एवं अधिवक्ता उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानपूर्ण जीवन का अधिकार है। बाल श्रम और बाल तस्करी बच्चों के भविष्य और अधिकारों पर गंभीर चोट है, जिसे रोकने के लिए समाज की भागीदारी जरूरी है। कार्यक्रम में लोगों को बच्चों के संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों और नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अंत में बाल अधिकारों की रक्षा और बाल श्रम मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया।

मुरकट्टी कांड का खुलासा: दो आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

रामगढ़ : बासल थाना पुलिस ने युवती से कथित दुर्व्यवहार और धमकी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह घटना 10 जून की रात भुरकुंडा से पतरातु मार्ग पर हुई बताई जाती है, जहां एक युवक-युवती का पीछा कर सुनसान स्थान पर रोककर उनके साथ अभद्र व्यवहार और धमकी देने का आरोप है। पुलिस ने तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मनोज कुमार (भुरकुंडा) और कृष्णा कुमार तुरी (भदानीनगर) को गिरफ्तार किया। उनके पास से घटना में प्रयुक्त दो बाइक और मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

बीएलए-2 की भूमिका को सशक्त बनाने में जुटी भाजपा

पेटरवार : पेटरवार ज्योति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में गोमिया विधानसभा क्षेत्र के बी एल ए 2 का कार्यशाला का आयोजन मंडल अध्यक्ष लाल बहादुर शर्मा की अध्यक्षता में की गई। इस कार्यशाला में पेटरवार, खैराचातर एवं कसमार मंडल के सभी बीएलए-2 जिला पदाधिकारी मंडल में निवास करने वाले सभी स्तर के पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के माननीय प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा , जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र राज, पूर्व 20सुत्री उपाध्यक्ष लक्ष्मण नायक, जिला उपाध्यक्ष अनिल स्वर्णकार, जिला महामंत्री संजय कुमार सिन्हा , प्रदेश पूर्व सदस्य सुधीर कुमार सिन्हा पूर्व जिला अध्यक्ष प्रहलाद महतो, शिव शंकर दुबे,विशेष रूप से उपस्थित थे। भाजपा की लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान बूथ स्तर पर किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए भाजपा ने पुख्ता तैयारी की है। चुनावी तैयारियों में जुटे भाजपा के रणनीतिकार एक-एक बूथ पर न सिर्फ अपनी बूथ लेबल एजेंट को सशक्त तौर पर तैनात करने की तैयारी में हैं बल्कि इनके जरिए ही सरकार के स्तर से तैनात किए गए बूथ लेबल आफिसर के कामकाज पर भी निगाह रखेंगे इस काम के लिए भाजपा ने सरल एप अपना कारगर बनाया है। इस एप के जरिए एक-एक बूथ पर तैनात बीएलए तमाम गतिविधियों की जानकारी पार्टी स्तर पर आसानी से दे सकेंगे इसके लिए पार्टी की ओर से प्रत्येक विधानसभा में बनाए गए बूथ लेबर एजेंट1 के माध्यम से सत्यापित एक-एक बूथ पर तैनात होने वाले बूथ लेबल एजेंट-2 को सरल एप से जोड़ने का निर्णय लिया है इतना ही नहीं यही सत्यापित बीएलए-2 का नाम अधिकृत तौर पर पार्टी की ओर से निर्वाचन अधिकारी को भेजा जाएगा।

विश्व बाल श्रम प्रतिषेध दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा रमाकान्त मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में आज शुक्रवार को डोमचांच प्रखंड में अवस्थित चन्द्रावती स्मारक उच्च विद्यालय सी एम स्कूल ऑफ एक्सिलेंस डोमचांच में विश्व बाल श्रम प्रतिषेध दिवस के अवसर पर झालसा द्वारा चलाये जा रहे 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार मौजूद थे। शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गौतम कुमार ने कहा कि बाल श्रम एक कानूनन एवं सामाजिक अपराध है तथा कानून में इसके लिए कठोर दंड के प्रावधान हैं। किसी भी 14वर्ष से कम उम्र के बच्चों से श्रम कराना अपराध की श्रेणी में आता है ।समाज के अंतिम व्यक्ति तक निःशुल्क एवं सुलभ न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना तथा आमजनों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनानाभी इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि समाज मेंवरिष्ठ जनों को उचित सम्मान दिया जाना आवश्यक है ताकिवरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण का लक्ष्य पूरा किया जा सके ।उन्होंने कहा कि महिलाओ के अधिकारों के संरक्षण के लिए कई कानून बनाये गए है । इसके अलावे सभी वर्ग के लोगो को उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओ का लाभ दिलाने के प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा कृतसंकल्पित है। एल ए डी सी एस के अधिवक्ता नवल किशोर ने कहा कि अवयस्क बच्चों को निशुल्क विधिक सहायता महिला एवं बाल अधिकार वृद्ध जनो के अधिकार, साइबर अपराध नशा मुक्ति, बाल विवाह निषेध, घरेलू हिंसा से संरक्षण एवं केंद्र सरकार व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओ के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाए ताकि उनका सीधा लाभ मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बाल श्रम बाल विवाह डायन बिसाही जैसी कुरीतियों एक सभ्य समाज के जघन्य अपराध है। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार पांडेय, शिक्षक शंकर यादव, चंकी पांडेय,पी एल वी मनोज कुमार व अनुराग पांडेय सहित सैकड़ो छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

विधायक की पहल लाई रंग, जुमरा में नए ट्रांसफार्मर से सुधरेगी बिजली व्यवस्था

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पंचायत सांकी अंतर्गत ग्राम जुमरा में लंबे समय से चली आ रही बिजली समस्या का समाधान अब हो गया है। बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी के प्रयास से गांव में 100 केवीए का नया विद्युत ट्रांसफार्मर लगाया गया, जिसका विधिवत उद्घाटन किया गया। ट्रांसफार्मर के चालू होते ही ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली कटौती की समस्या बनी हुई थी, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा था। नए ट्रांसफार्मर की स्थापना से अब इन समस्याओं में काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ छात्रों और छोटे व्यवसायियों को भी लाभ मिलेगा।

उद्घाटन कार्यक्रम में भाजपा भदानीनगर मंडल के अध्यक्ष शौर्य प्रसाद कुशवाहा, मंडल महामंत्री राजेंद्र मुंडा, मंडल उपाध्यक्ष अनिल सिंह खरवार सहित कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास से ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार हो रहा है और विकास कार्यों को नई गति मिल रही है। ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर स्थापना को गांव के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही उम्मीद जताई कि भविष्य में भी जनहित से जुड़े विकास कार्यों का लाभ क्षेत्र को मिलता रहेगा।

पंचायत प्रतिनिधियों ने राज्यपाल से की विकास योजनाओं के लिए मार्गदर्शिका जारी करने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघ के अध्यक्ष विकास कुमार महतो के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने लोक भवन में मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल ने झारखंड पंचम राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं के तहत पंचायतों को आवंटित अनुदान राशि से विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में राज्यपाल का ध्यान आकृष्ट कराया। ज्ञापन में कहा गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पंचायती राज विभाग द्वारा जिला परिषदों, पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों को निर्धारित अनुपात में अनुदान राशि आवंटित कर दी गई है। इसके बावजूद योजनाओं के संचालन और राशि के उपयोग के लिए आवश्यक विस्तृत मार्गदर्शिका अब तक जारी नहीं की गई है। इसके कारण पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

शिष्टमंडल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि अनुदान मद से स्वीकृत योजनाओं के सुचारु, पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और मार्गदर्शिका जल्द जारी कराने की दिशा में पहल की जाए। प्रतिनिधियों ने कहा कि इससे पंचायत स्तर पर विकास कार्यों का समयबद्ध और व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित हो सकेगा।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि मार्गदर्शिका के अभाव में कई पंचायतों में विकास योजनाएं लंबित हैं और जनहित के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी होना आवश्यक है, ताकि आवंटित राशि का उपयोग नियमानुसार और प्रभावी ढंग से किया जा सके।

डीएमएफटी कार्यों की उच्चस्तरीय जांच और वनाधिकार पट्टा देने की मांग को लेकर राज्यपाल से मिला शिष्टमंडल

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को भारत आदिवासी पार्टी, पश्चिमी सिंहभूम के जिलाध्यक्ष सुशील बाड़ला के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने लोक भवन में मुलाकात कर विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल ने पश्चिमी सिंहभूम जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी), चाईबासा के कार्यों में कथित अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि संविधान की पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत अधिसूचित और खनिज संपदा से समृद्ध पश्चिमी सिंहभूम जिले में खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट में बड़ी राशि उपलब्ध है। इसके बावजूद कई प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और अन्य बुनियादी सुविधाओं का लाभ स्थानीय लोगों तक अपेक्षित रूप से नहीं पहुंच पा रहा है।

शिष्टमंडल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि डीएमएफटी के कार्यों की झारखंड उच्च न्यायालय की निगरानी में उच्चस्तरीय जांच कराने की दिशा में आवश्यक पहल की जाए।

ज्ञापन में मनोहरपुर प्रखंड के राजस्व ग्राम लाइलोर में स्थापित जलापूर्ति योजना का विशेष उल्लेख किया गया। बताया गया कि इस योजना के माध्यम से नौ गांवों के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाना था, लेकिन पाइपलाइन का कार्य अब तक पूरा नहीं होने के कारण ग्रामीणों को दूषित जल का उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

संक्षिप्त खबरें

देश में वित्तीय संकट, योजनाओं का भुगतान बंद : पंकज मिश्र

रांची : जयप्रकाश जनता दल के राष्ट्रीय सचिव पंकज मिश्र ने देश की वित्तीय हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। भारत सरकार केंद्र संपोषित योजनाओं का भुगतान करने में भी अक्षम है। इसका सीधा मतलब है सरकार का खजाना खाली है। वृद्ध, विधवा और विकलांग लोगों को पेंशन तक नहीं दे पा रही। जबकि इन्हीं योजनाओं का डंका पीटा जा रहा है। कहा जा रहा कि इन योजनाओं का पैसा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से सीधे लाभुक के खाते में भेजा जाएगा। अब तो आरबीआई की भी जिम्मेवारी बढ जाती है।उन्होंने कहा कि भारत सरकार को देश की क्या वित्तीय स्थिति है, इस पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। दो माह से योजना के लाभुकों को पैसा नहीं देने के पीछे के कारणों को जनता को जानने का हक है। यही हालात झारखण्ड सरकार की भी है। मइंया योजना के सहारे सरकार बनाने वाले हेमंत सोरेन को अब यह योजना बोझ लगने लगा है। 51 लाख लाभुकों तीन माह से पैसा नहीं मिल रहा। नाम हटाने और जोडने के नाम पर टाल-मटोल किया जा रहा।

मादक पदार्थ बरामदगी मामले में कुंदन कुमार दोषी करार, 16 जून को फैसला

रांची : मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक मामले में रांची की अदालत ने आरोपित कुंदन कुमार को दोषी करार दिया है। अपर न्यायायुक्त शैलेन्द्र कुमार की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान माना कि अभियोजन पक्ष आरोपित के खिलाफ लगाए गए आरोपों को प्रमाणित करने में सफल रहा है। मामले में सजा के बिंदु पर अब 16 जून को सुनवाई होगी। दोषसिद्धि के बाद अदालत ने कुंदन कुमार की जमानत तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि मामले में प्रस्तुत साक्ष्य, गवाहों के बयान और जांच के दौरान जुटाए गए तथ्यों के आधार पर आरोपित के खिलाफ आरोप सिद्ध होते हैं। अदालती अभिलेखों के अनुसार, यह मामला 30 जुलाई 2022 का है। उस समय हटिया के तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर जगन्नाथपुर थाना पुलिस को कार्रवाई का निर्देश दिया गया, जिसके बाद लटमा रोड पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया।

मादक पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक : सीएस

रांची : सिविल सर्जन (सीएस) प्रभात कुमार की अध्यक्षता में एनएमटीसी नर्सिंग स्कूल में शुक्रवार को छात्राओं के बीच मादक पदार्थों और तंबाकू उत्पादों के सेवन और बिक्री के विरुद्ध एक दिवसीय प्रशिक्षण सह पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि मादक पदार्थों और तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने बताया कि तंबाकू में मौजूद निकोटीन और अन्य विषैले रसायन मुंह, गले, फेफड़े और पेट के कैंसर के प्रमुख कारण हैं। धूम्रपान से हृदय रोग, स्ट्रोक, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थ सीधे मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करते हैं, जिससे स्मरण शक्ति, एकाग्रता और मानसिक संतुलन पर प्रतिकूल असर पड़ता है। अत्यधिक सेवन से लीवर, किडनी और पाचन तंत्र से जुड़ी गंभीर बीमारियां होने की आशंका रहती है। साथ ही तनाव, अवसाद और अन्य मानसिक विकारों का जोखिम भी बढ़ जाता है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने नशा मुक्ति और तंबाकू निषेध विषय पर आकर्षक पेंटिंग्स बनाकर अपने विचार प्रस्तुत किए। सिविल सर्जन ने पेंटिंग्स का अवलोकन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली तीन प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या, शिक्षिकाएं, परामर्शी सुशांत कुमार और स्वास्थ्य विभाग के कर्मी मौजूद थे।

रिश्वत मामले में पूर्व अंचलकर्मी को एक वर्ष की सश्रम कैद, 15 हजार रुपये का जुर्माना

रांची : करीब दो दशक पुराने रिश्वतखोरी के एक मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की विशेष अदालत ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। एसीबी के विशेष न्यायाधीश ने तत्कालीन खूंटी अंचल कार्यालय के कर्मचारी सत्यनारायण राम को दोषी ठहराते हुए एक वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 15 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि दोषी निर्धारित अवधि में जुमार्ने की राशि जमा नहीं करता है, तो उसे छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। फैसले के बाद मामले का विधिक निस्तारण हो गया। यह मामला वर्ष 2006 का है, जब खूंटी अंचल कार्यालय में कार्यरत सत्यनारायण राम पर रिश्वत लेने का आरोप लगा था। आरोप के अनुसार उन्होंने जमीन के म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) से संबंधित दस्तावेजों को आगे बढ़ाने और प्रक्रिया पूरी करने के एवज में शिकायतकर्ता मोहम्मद नसीम खान से 500 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत की मांग से परेशान होकर मोहम्मद नसीम खान ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से इसकी शिकायत की थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें आरोप प्रथम दृष्टया सही पाया गया। सत्यापन के बाद एसीबी की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और रिश्वत लेते समय सत्यनारायण राम को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने शिकायतकर्ता, जांच अधिकारियों और अन्य गवाहों के बयान के साथ आवश्यक दस्तावेजी साक्ष्य अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए। उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने आरोपित को दोषी मानते हुए सजा सुनाई।

प्राचार्य और शिक्षक स्कूलों में चलाएं नशे के खिलाफ जागरूकता गतिविधियां : डीईओ

रांची : झारखंड शिक्षा परियोजना (जेईपीसी), रांची के तत्वावधान में शुक्रवार को निषिद्ध मादक पदार्थों की रोकथाम और जागरूकता विषय पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालयों में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना, विद्यार्थियों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और नशा मुक्त समाज के निर्माण में विद्यालयों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ), रांची, जिला शिक्षा अधीक्षक, सिविल सर्जन के अलावा जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी, झारखंड शिक्षा परियोजना के परियोजना कर्मी और जिले के सभी सरकारी उच्च विद्यालयों से एक-एक प्राचार्य सहित अन्य ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण का भी माध्यम हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों और प्राचार्यों से विद्यालय स्तर पर नियमित जागरूकता गतिविधियां चलाने और विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

एक नजर

रांची के पांच केंद्रों पर झारखंड पात्रता परीक्षा कल

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा आयोजित होने वाली झारखंड पात्रता परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन को लेकर रांची समाहरणालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा, कदाचार रोकने के कड़े उपायों, अभ्यर्थियों की सुविधाओं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह परीक्षा 14 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक एक ही पाली में आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिले में कुल पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और सभी केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बल, चिकित्सा सुविधा तथा दमकल विभाग (फायर ब्रिगेड) सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

हाईवा की टक्कर से तीनो युवक घायल

रांची : अनगड़ा-हेसल रिंग रोड ब्रिज के पास रोंग साइड से आ रहे एक तेज रफ्तार हाईवा जेएच-01 बीजी-1114 ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाईवा ओरमांझी की तरफ से चिप्स (गिट्टी) लादकर गलत दिशा से आ रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तीनों घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहाँ उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घायलों की पहचान नारायणसोसो निवासी विक्रम पाहन, अमन पाहन व विशेष मुंडा के रूप में हुई है।

16 से 18 जून तक झारखंड कृषि व्यापार मेला का होगा आयोजन

रांची : झारखंड सरकार की ओर से आगामी 16 से 18 जून तक रांची के मोराबादी मैदान में तीन दिवसीय झारखंड कृषि व्यापार मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले का उद्देश्य किसानों, कृषि उद्यमियों, स्टार्टअप्स, उद्योग जगत और सरकारी विभागों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, ताकि कृषि क्षेत्र में नवाचार, आधुनिक तकनीकों के प्रसार और ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा दिया जा सके। शुक्रवार को कृषि विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेले का उद्घाटन 16 जून को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कृषि मंत्री शल्पी नेहा तिर्की और अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में किया जाएगा।

मंत्री ने की योजनाओं की विस्तृत समीक्षाः छात्रवृत्ति भुगतान दिसंबर से पहले सुनिश्चित करने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मंत्री चमरा लिंडा द्वारा विभिन्न विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन की गति और प्रभावशीलता को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

समीक्षा के दौरान मंत्री ने छात्रवृत्ति योजना पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान दिसंबर माह से पूर्व हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही छात्रवृत्ति वितरण को पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के लिए एक प्रभावी मैकेनिज्म विकसित करने का भी निर्देश दिया गया।

बैठक में आदिवासी कल्याण आयुक्त ने जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ई-कल्याण पोर्टल 15 मई से ही खोल दिया गया है, जिससे आवेदन प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है।

साइकिल वितरण योजना की समीक्षा करते हुए मंत्री ने निर्देश दिया कि छात्र-छात्राओं के ड्रॉपआउट को कम करने के उद्देश्य से निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध कम से कम 50 प्रतिशत साइकिलों का वितरण अगले एक माह के भीतर सुनिश्चित किया जाए।

वहीं मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना की समीक्षा के दौरान मंत्री ने इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए गहन अध्ययन कर नई रूपरेखा के साथ विकसित करने तथा नए सिरे से आवेदन आमंत्रित करने का निर्देश दिया, ताकि अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा सके।

बैठक में सचिव एवं विशेष सचिव, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, आदिवासी कल्याण आयुक्त, प्रबंध निदेशक (आदिवासी सहकारी विकास निगम), राज्य परियोजना निदेशक एवं परियोजना निदेशक, रांची सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

झारखंड के कई जिलों में भारी बारिश और आंधी का अनुमान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में तपती और उमस भरी गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिली है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) से मिली ताजा जानकारी के अनुसार, अगले तीन दिनों तक झारखंड के अलग-अलग इलाकों में तेज आंधी के साथ भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य में येलो अलर्ट (पीली चेतावनी) जारी की है। कोल्हान क्षेत्र समेत पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जैसे जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने का अनुमान जताया गया है।

गुरुवार को दोपहर बाद अचानक बदले मौसम के कारण राजधानी रांची सहित कई जिलों में झमाझम बारिश हुई, जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। जमशेदपुर में शाम तक करीब 11 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, हालांकि इस तेज बारिश की वजह से शहर के निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति पैदा हो गई, जिससे आम जनता को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, राज्य में अगले दो से तीन दिनों के भीतर मानसून के प्रवेश करने की पूरी उम्मीद है, जिससे आने वाले समय में बारिश की गतिविधियों में और तेजी आएगी।

इस बदलते मौसम के बीच राज्य के कुछ हिस्सों से दुखद खबरें भी सामने आई हैं। आंधी-बारिश के दौरान हुए विभिन्न हादसों और वज्रपात (ठनका गिरने) के कारण राज्य में चार लोगों की जान चली गई है, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं।

दीपक प्रकाश को राज्यसभा चुनाव में मिलना चाहिए था मौका : इरफान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश के सम्मान और योगदान की चर्चा करते हुए सराहना की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विचारधारा अलग होने के बावजूद उन्होंने हमेशा झारखंड और यहां के स्थानीय नेताओं का सम्मान किया है। लेकिन भाजपा ने दोबारा उन्हें राज्यसभा में भेजने का मौका नहीं दिया और न ही उसपर कोई विचार किया। उन्होंने कहा कि बाहर के लोगों को धनबल के बूते राज्यसभा चुनाव भेजने का काम किया जा रहा है।

मंत्री ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि दीपक प्रकाश ने झारखंड में भाजपा संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाने और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अपना पूरा जीवन पार्टी के लिए समर्पित किया है। लेकिन जब उनका राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो रहा है, तब उन्हें दोबारा राज्यसभा भेजने पर विचार क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी के पास कोई सर्वमान्य उम्मीदवार नहीं था, तो एक अनुभवी और संघर्षशील नेता पर भरोसा जताया जा सकता था।

सेकी प्रबंधन के खिलाफ ग्रामीणों का घेराव

सीएसआर राशि में गड़बड़ी और विस्थापितों की उपेक्षा का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गेतलसूद डैम में सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित कर रही सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) की कथित नीतियों के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीणों ने गेतलसूद स्थित कंपनी के बेस कैंप का घेराव कर प्रदर्शन किया। विस्थापित संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित इस आंदोलन में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सेकी की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) निधि का लगातार दुरुपयोग किया गया है। साथ ही विकास योजनाओं के नाम पर करोड़ों रुपये के गबन और अनियमितताओं का आरोप भी लगाया गया। ग्रामीणों का कहना था कि क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं में बिचौलियों का दबदबा है, जिसके कारण वास्तविक लाभ स्थानीय लोगों तक नहीं पहुंच रहा है।

धरना-प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र के समग्र विकास, विस्थापित परिवारों के अधिकारों की रक्षा और स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने की मांग की। इसके साथ ही परियोजना प्रभावित गांवों के लोगों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई।

आंदोलन के दौरान विस्थापित संघर्ष समिति की ओर से सेकी प्रबंधन को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

ग्रामीणों ने बताया कि विभिन्न मांगों को लेकर लगभग 25 दिन पहले भी सेकी के खिलाफ घेराव और प्रदर्शन किया गया था। इसके बावजूद कोई ठोस सुधार नहीं होने के कारण उन्हें दोबारा आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा।

प्रदर्शन में प्रमुख दीपा उरांव, पूर्व प्रमुख अनिता गाड़ी, मुखिया शांति मुंडा, जितेंद्र उरांव, अजय उरांव, कामेश्वर महतो, सूरज उरांव, कृष्णा महतो, संगीता देवी, जगेश्वर महतो, गौरीशंकर मुंडा, हरिनंदन गोस्वामी, राजेश लोहरा, बिट्ठू उरांव, चंदन गोस्वामी, विवेक गोस्वामी, सुधीर महतो, राजन महतो, गणेश करमाली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

रांची की पलक का भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिला क्रिकेट संघ (आरडीसीए) के लिए शुक्रवार का दिन तब ऐतिहासिक साबित हुआ, जब अंडर-19 महिला क्रिकेटर कुमारी पलक का चयन भारतीय महिला क्रिकेट टीम में किया गया। श्रीलंका महिला टीम के आगामी भारत दौरे के दौरान आयोजित होने वाली एकदिवसीय और टी-20 श्रृंखला के लिए उन्हें भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उनके चयन से रांची ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड में खुशी और गर्व का माहौल है।

पलक रांची जिला क्रिकेट संघ की ओर से भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं। यह उपलब्धि उनके वर्षों के कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगातार शानदार प्रदर्शन का परिणाम मानी जा रही है। जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें राष्ट्रीय टीम तक पहुंचने का अवसर मिला।

पलक की इस उपलब्धि पर रांची जिला क्रिकेट संघ और झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। खेल जगत से जुड़े लोगों ने इसे झारखंड महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है, जो राज्य की अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी।

पलक की क्रिकेट यात्रा संघर्ष, समर्पण और निरंतर मेहनत की कहानी है। उन्होंने ओरमांझी क्रिकेट क्लब से क्रिकेट खेलना शुरू किया था। उनके कोच पंक्षित कुमार महतो ने शुरूआती दौर से ही उनकी प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी पलक उन्हीं के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही हैं। उनके कोच के अनुसार, पलक हमेशा से मेहनती, अनुशासित और अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित रही हैं।

रांची जिला क्रिकेट संघ के सचिव शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि पलक का चयन केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे जिले और राज्य के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि पलक ने वर्षों तक लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और उनकी मेहनत तथा लगन का ही परिणाम है कि उन्हें भारतीय टीम में स्थान मिला है।

मूल रूप से देवघर की रहने वाली पलक पिछले लगभग 14 वर्षों से अपने परिवार के साथ रांची में रह रही हैं। उन्होंने पढ़ाई और क्रिकेट के बीच संतुलन बनाते हुए लगातार अपने खेल में सुधार किया और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सपना साकार किया। वर्तमान में पलक ओरमांझी स्थित राम टहल इंटर कॉलेज की छात्रा हैं।

पलक की सफलता संघर्ष और दृढ़ संकल्प की मिसाल भी है। उनके पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी मां संगीता भगत, जो रांची महिला थाना में कार्यरत हैं, ने हर कदम पर उनका मनोबल बढ़ाया। पलक कई बार अपनी मां को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा बता चुकी हैं और अपनी सफलता का श्रेय उन्हें देती हैं।

खेल विशेषज्ञों का मानना है कि पलक की सफलता झारखंड में महिला क्रिकेट को नई पहचान देने के साथ-साथ राज्य की युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उनकी उपलब्धि यह साबित करती है कि प्रतिभा और मेहनत के बल पर छोटे शहरों और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ी भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

मोदी सरकार के 12 सालः भरोसे के हकीकत में बदलने का दौर

यदि मॉर्निंग कंसल्ट की मानें तो स्वीकार्यता के मामले में कोई भी वैश्विक नेता नरेन्द्र मोदी के आसपास भी नहीं टिकता। विपक्षी पार्टियों द्वारा लगातार देश और विदेश में अभियान चलाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वीकार्यता के मामले में दूसरे वैश्विक नेताओं से बहुत आगे हैं। 68 प्रतिशत स्वीकार्यता नरेन्द्र मोदी की है जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्वीकार्यता लगातार नेगेटिव जा रही है। फालोवर्स के मामले में भी नरेन्द्र मोदी सबसे आगे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह स्वीकार्यता निश्चित रुप से भारत ही नहीं दुनिया के अन्य देशों में भी उनकी लोकप्रियता और सर्वमान्यता को दर्शाती है। नरेन्द्र मोदी सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। इस दौरान नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा ऐसे साहसिक निर्णय किये गये हैं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। माना तो यही जाता था कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35 ए हटाना, राममंदिर का निर्माण, डिजिटल क्रांति, वैश्विक नेतृत्व, नोटबंदी, एक देश एक कर, घर-घर शोचालय, घर-घर कचरा संग्रहण, रक्षा उपकरणों का निर्यात, किसान सम्मान, मेक इन इंडिया, इंडिया फर्स्ट, बड़ी अर्थव्यवस्था, तेजी से ढांचागत विकास, डिजिटल भुगतान, नक्सलवाद का खात्मा, आत्मनिर्भर भारत, परिवहन क्षेत्र में ढांचागत बदलाव आदि समय-समय पर की जाने वाली घोषणाएं केवल चुनाव जीतने के जुमले हैं पर लगभग असंभव माने जाने वाले यह काम आज धरातल पर उतरना सबसे बड़ी उपलब्धि है। कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए की समाप्ति हो चुकी है। दुनिया के किसी देश ने खुलकर इसका विरोध करने की हिम्मत नहीं दिखाई। बाबरी मस्जिद के स्थान पर राममंदिर का निर्माण हो चुका है तो तीन तलाक, सीएए, यूसीसी और यहां तक कि सर्जिकल स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिन्दूर तक पर दुनिया के किसी देश की भारत के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने की हिम्मत नहीं हो पाई। आज अर्थव्यवस्था में जिस तेजी से बदलाव आया है और चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद अब तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की और तेजी से कदम बढ़ चुके हैं। जनधन योजना के समय जिस तरह से आलोचना का दौर चला था आज भुगतान में डिजिटलीकरण में इसकी बड़ी भूमिका तय हो चुकी है। जो लगभग असंभव माना जा सकता था वह आज डिजिटल भुगतान के माध्यम से संभव हो पाया है और पांच रु. के टमाटर का भुगतान भी सब्जीवाले तक को यूपीआई से आसानी से होने लगा है। सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजना के भुगतान, पेंशन, अनुदान आदि आज सीधे खातों में जाने लगे हैं। यह किसी दिवा स्वप्न से कम नहीं है। आईपीसी सीपीसी में बदलाव किया जा चुका है। तो जीएसटी में लाख कमियां गिनाने के बावजूद आज समूचा देश एक देश एक कर के छाते के नीचे आ चुका है। बुनियादी ढांचें में तेजी से बदलाव आया है। आज वंदे भारत और नमो भारत ट्रेन चलने लगी है तो 33 किमी प्रतिदिन हाईवे का निर्माण हो रहा है। एक्सप्रेस हाईवे से आवागमन आसान हुआ है। आयुष्मान योजना से 50 करोड़ लोगों को जोड़ा जा चुका है तो सस्ती जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता का नेटवर्क विस्तारित किया गया है। आज 98 प्रतिशत घरों से घर घर कचरा संग्रहण होने लगा है तो अब घर-घर में शौचालय बन चुके हैं। कोरोना के दौरान हमारे प्रयासों को सारी दुनिया द्वारा सराहा गया यहां तक कि कोरोना के दौरान जीवन रक्षक की भूमिका में भारत ने भूमिका निभाई। किसानों की आय में बढ़ोतरी के ठोस प्रयास हुए हैं तो किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को उनका आत्मसम्मान उपलब्ध कराया गया है। एमएसपी व्यवस्था में सुधार हुए हैं तो खेती किसानी के क्षेत्र में बदलाव छाप दिखाई दे रहा है। मेक इन इंडिया और इंडिया फर्स्ट भी आज साकार होता दिखाई दे रहा है।

गृहिणी राष्ट्रनिमार्ता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

ललित गर्ग

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें ह्यआधी आबादीह्ण और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें ह्यनेशन बिल्डरह्ण अर्थात राष्ट्रनिमार्ता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिमार्ता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है।

सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है।

न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिमार्ता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं?

इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है।

इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। महिला सशक्तीकरण को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व या आर्थिक अवसरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ है- सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और स्वतंत्र निर्णय क्षमता। यदि कोई महिला आर्थिक रूप से सक्षम है, लेकिन घर में हिंसा का शिकार है, तो उसे पूर्णतः सशक्त नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार यदि उसे राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाए, लेकिन सामाजिक सम्मान न मिले, तो भी सशक्तीकरण अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी दृष्टि से देखा जाए। महिलाओं के घरेलू श्रम को मान्यता देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों और परिवारों में लैंगिक समानता के संस्कार विकसित किए जाएं। पुरुषों और लड़कों को भी इस परिवर्तन प्रक्रिया का भाग बनाया जाए। केवल महिलाओं को जागरूक करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। पुलिस और प्रशासन को महिलाओं से जुड़े मामलों में अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाना होगा। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि अपराधियों में दंड का भय उत्पन्न हो और पीड़ित महिलाओं को न्याय प्राप्त हो सके। साथ ही यह भी आवश्यक है कि महिलाओं के अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए।

सूडोकु नवताल- 7824

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7823 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पाँच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की "पड़ोसी प्रथम" नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है।

भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हुए बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण भारत की भूमिका को लेकर अलग-अलग धारणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं।

तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है।

सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएं हुई हैं। नागरिक हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम लोगों के मन में नकारात्मक भावनाएँ पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती, बल्कि मानवीय और सामाजिक संबंधों से भी जुड़ी होती है।

नागरिकता संशोधन अधिनियम और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर जैसे मुद्दों ने भी बांग्लादेश में कुछ आशंकाएँ उत्पन्न कीं। यद्यपि भारत ने बार-बार स्पष्ट किया कि ये उसकी आंतरिक नीतियाँ हैं, फिर भी बांग्लादेश में यह चिंता व्यक्त की गई कि इनका अप्रत्यक्ष प्रभाव भविष्य में दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नीतियों की वास्तविकता के साथ-साथ उनकी सार्वजनिक धारणा भी महत्वपूर्ण होती है और यही कारण है कि ऐसे मुद्दे कभी-कभी कूटनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं।

दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बांग्लादेश ने अपनी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चीन सहित कई देशों के साथ आर्थिक और अवसंरचनात्मक सहयोग बढ़ाया है। भारत के लिए यह स्वाभाविक चिंता का विषय है कि क्षेत्र में किसी बाहरी शक्ति का अत्यधिक प्रभाव उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखते हुए विभिन्न देशों से निवेश और तकनीकी सहयोग प्राप्त करना चाहता है। इस स्थिति में दोनों देशों के लिए पारदर्शिता और संवाद अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं।

व्यापारिक असंतुलन भी अविश्वास के कारकों में शामिल है। यद्यपि द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ अपेक्षाकृत अधिक भारत को मिलता हुआ दिखाई देता है। बांग्लादेश लंबे समय से भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बेहतर पहुँच तथा गैर-शुल्क बाधाओं में कमी की मांग करता रहा है। आर्थिक संबंधों में असंतुलन की भावना यदि लंबे समय तक बनी रहे तो वह राजनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए आर्थिक साझेदारी को अधिक संतुलित और समावेशी बनाना समय की आवश्यकता है।

सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने भी संबंधों को प्रभावित किया है। आज गलत सूचनाएँ, भ्रामक प्रचार और राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री बहुत तेजी से फैलती है। कई बार छोटी घटनाएँ भी डिजिटल मंचों पर बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत की जाती हैं, जिससे दोनों देशों के नागरिकों के बीच गलतफहमियाँ उत्पन्न होती हैं। ऐसे वातावरण में सरकारों और मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे तथ्यपरक संवाद को बढ़ावा दें और दुष्प्रचार पर प्रभावी नियंत्रण रखें।

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों और पड़ोसी देशों की संवेदनशीलताओं के बीच संतुलन स्थापित करे। एक बड़ी क्षेत्रीय शक्ति होने के कारण भारत की नीतियों का प्रभाव उसके पड़ोसियों पर स्वाभाविक रूप से पड़ता है। इसलिए केवल राष्ट्रीय हितों पर केंद्रित दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं है; पड़ोसी देशों की आशंकाओं और अपेक्षाओं को समझना भी उतना ही आवश्यक है। इसी प्रकार बांग्लादेश को भी यह समझना होगा कि भारत की सुरक्षा चिंताएँ, विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र से संबंधित प्रश्न, उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। दोनों देशों को एक-दूसरे की वैध चिंताओं का सम्मान करना होगा।

विश्वास बहाली के लिए सबसे पहले लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में ठोस पहल आवश्यक है। तीस्ता जल समझौते को प्राथमिकता देकर दोनों देश एक सकारात्मक संदेश दे सकते हैं। सीमा प्रबंधन में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना, संयुक्त गश्त और तकनीकी सहयोग को बढ़ाना भी आवश्यक है। व्यापारिक असंतुलन को कम करने के लिए बांग्लादेशी उत्पादों को भारतीय बाजार में अधिक अवसर दिए जा सकते हैं। ऊर्जा, परिवहन और संपर्क परियोजनाओं को गति देकर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को और अधिक परस्पर निर्भर बनाया जा सकता है। उच्च स्तरीय राजनीतिक संवाद को नियमित और संस्थागत स्वरूप देना भी आवश्यक है। जब देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच निरंतर संवाद बना रहता है, तब गलतफहमियों की संभावना कम हो जाती है। साथ ही शिक्षा, संस्कृति, खेल, मीडिया और पर्यटन के माध्यम से लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना चाहिए। सरकारों के बीच विश्वास जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण नागरिकों के बीच विश्वास भी है। सांस्कृतिक निकटता दोनों देशों की सबसे बड़ी शक्ति है और इसे संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रभावी रूप से उपयोग किया जा सकता है।

क्षेत्रीय मंचों के माध्यम से सहयोग को बढ़ावा देना भी उपयोगी होगा। साझा आर्थिक और रणनीतिक हितों पर आधारित क्षेत्रीय सहयोग अविश्वास को कम करने में सहायक हो सकता है। जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा सहयोग जैसे क्षेत्रों में संयुक्त प्रयास दोनों देशों को और निकट ला सकते हैं। अंततः भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो देशों के बीच की साझेदारी नहीं हैं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, भाषा, भूगोल और साझा संघर्षों से निर्मित एक विशेष संबंध हैं। हाल के वर्षों में उत्पन्न तनाव और अविश्वास यह अवश्य दर्शाते हैं कि पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में संवेदनशीलताओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक है।

नेताओं की मजबूरी पर वफादारी का चोला

संजय सक्सेना

राजनीति में वफादारी और मजबूरी के बीच की लकीर अक्सर इतनी पतली होती है कि आम आदमी तो क्या, खुद नेता भी भूल जाते हैं कि वे किस तरफ खड़े हैं। तृणमूल कांग्रेस के तीन सांसदों शत्रुघ्न सिन्हा, कीर्ति आजाद और बाबुल सुप्रियो की कहानी इसी सच्चाई की एक जीती-जागती मिसाल है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी की करारी हार के बाद जब पार्टी के करीब बीस सांसद बगावत पर उतर आए और मोदी सरकार के साथ खड़े होने का एलान कर दिया, तब यही तीनों नेता दीदी यानी ममता बनर्जी की वफादारी का ढिंढोरा पीटने में लगे हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने बयान दिया कि वे ममता जी के साथ हैं और हमेशा टीएमसी में ही रहेंगे। कीर्ति आजाद ने भी संकट की इस घड़ी में ममता बनर्जी का हाथ थामे रखने का एलान किया। लेकिन जो बात इन बयानों के पीछे छिपी है, वह यह है कि इन नेताओं के पास फिलहाल कोई और चारा है भी नहीं। सबसे पहले बात शत्रुघ्न सिन्हा की। शत्रुघ्न सिन्हा ने भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ जाकर भाजपा छोड़ी थी, लेकिन भाजपा में आज भी उनके कई पुराने मित्र मौजूद हैं। यही कारण है कि जब टीएमसी में तूफान आया तो उनकी चुप्पी ने सबको चौंकाया। वे न बागी खेमे में नजर आए, न ममता के साथ खुलकर। लेकिन जब यह साफ हो गया कि भाजपा उनके लिए अपने दरवाजे खोलने के मूड में नहीं है, तो उनकी कथित वफादारी की घोषणा सामने आ गई।

बता दें, शत्रुघ्न सिन्हा लंबे समय तक भाजपा के चमकते सितारे रहे। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में वे केंद्रीय मंत्री रहे। लेकिन धीरे-धीरे पार्टी में उनकी पूछ कम होती गई। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब भाजपा ने नई करवट ली तो पुरानी पीढ़ी के कई नेताओं को हाशिये पर धकेल दिया गया। शत्रुघ्न सिन्हा पार्टी में घुट-घुटकर रहते रहे और अंदर ही अंदर असंतोष पकता रहा। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा से नाता तोड़ लिया और कांग्रेस के टिकट पर पटना साहिब से चुनाव लड़े, लेकिन हार गए। इसके बाद उनका राजनीतिक सफर भटकाव का शिकार रहा और अंततः वे तृणमूल कांग्रेस में आ गए। 2024 के लोकसभा चुनाव में शत्रुघ्न सिन्हा आसनसोल से करीब साठ हजार वोटों से जीते। लेकिन यह जीत उनकी अपनी नहीं, ममता बनर्जी की लहर थी। अब जब वही लहर उतर रही है, तो उनके पास लौटने के लिए कोई ठिकाना नहीं है। कीर्ति आजाद की कहानी तो और भी दिलचस्प है। दिसंबर 2015 में दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ में कथित अनियमितताओं तथा भ्रष्टाचार को लेकर तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली को खुले तौर पर निशाना बनाने के लिए उन्हें भाजपा से निलंबित कर दिया गया था। वे 2018 में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 2019 में धनबाद से टिकट दिया, लेकिन वहां भी उन्हें मुंह की खानी पड़ी। इसके बाद 2024 में वे तृणमूल कांग्रेस के जरिये बर्धमान-दुर्गापुर से लोकसभा पहुंचे। कीर्ति आजाद इस सीट से करीब 14 हजार वोटों से जीते। इस तरह एक ऐसे नेता जो कभी भाजपा के दिग्गज क्रिकेटर-सांसद हुआ करते थे, उनकी राजनीतिक यात्रा भाजपा से कांग्रेस और कांग्रेस से टीएमसी तक आ पहुंची। अब भाजपा उनसे दूरी बनाए हुए है और कांग्रेस भी उन्हें वापस लेने की स्थिति में नहीं है, इसलिए मजबूरी यही है कि ममता की डूबती नैया को थामे रखो और उसे वफादारी का नाम दो।

बाबुल सुप्रियो की कहानी इन दोनों से थोड़ी अलग लेकिन उसी धागे में पिरोई हुई है। वे आसनसोल से दो बार सांसद रहे और नरेंद्र मोदी सरकार में केंद्रीय राज्यमंत्री भी रहे। लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद जब भाजपा को बंगाल में करारी हार मिली और पार्टी के भीतर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, तो बाबुल सुप्रियो ने भी भाजपा से मुंह मोड़ लिया। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद टीएमसी में शामिल होने वाले नेताओं में शामिल थे। तृणमूल ने उन्हें बालीगंज विधानसभा उपचुनाव में उतारा और वे जीत भी गए। लेकिन विधायक बनने के बाद भी उनकी राजनीतिक हैसियत वही नहीं रही जो कभी केंद्रीय मंत्री के रूप में थी। अब जब टीएमसी खुद संकट में है, तो भाजपा की ओर उनकी नजर स्वाभाविक रूप से जाती है, लेकिन भाजपा उन्हें पार्टी में वापस लेने की कोई इच्छा नहीं रखती। उधर, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से तृणमूल कांग्रेस के भीतर अब तक का सबसे बड़ा और भयंकर ह्ययुद्धह्ण छिड़ा हुआ है। टीएमसी के बीस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर उन्हें एक पत्र सौंपा है जिसमें अलग गुट बनाने की सूचना देते हुए लोकसभा में अलग बैठने की जगह देने की मांग की गई है। दलबदल विरोधी कानून से बचने के लिए लोकसभा में कम से कम उन्नीस सांसदों का समर्थन आवश्यक है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि टीएमसी सांसदों का समर्थन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिलता है, तो सरकार के लिए परिसीमन और एक देश-एक चुनाव जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों को आगे बढ़ाना आसान हो सकता है। बागी गुट अपने कुनबे को बढ़ाने के लिए लगातार सांसदों का समर्थन जुटा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम में यह तीन नेता एक अजीब कशमकश में फंसे हुए हैं। एक तरफ बागी खेमा है जो भाजपा का दामन थामने की तैयारी कर रहा है, दूसरी तरफ ममता बनर्जी का खेमा है। शत्रुघ्न सिन्हा, कीर्ति आजाद और बाबुल सुप्रियो न उस पार जा सकते हैं, न इस पार रह सकते हैं।

दैनिक पंचांग

13 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.27 बजे से
चंद्र	वृष में	कर्क	07.40 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.57 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.09 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.19 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.34 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.50 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.55 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.42 बजे से
राहुकाल		मीन	00.14 बजे से
9.00 से 10.30		मेष	01.45 बजे से
बजे तक		वृष	03.25 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 164 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 16.08 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 01.17 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सुकर्मा 17.29 बजे को समाप्त। **करण** गर 05.56 बजे, वणिज 16.08 बजे तदनन्तर विष्टि 02.16 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 12' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872739 **जूलियन दिन** 2461204.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 27 **विशेष** मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

खूंटी जिला फुटबॉल लीग का हुआ शुभारंभ

खूंटी: खूंटी जिला फुटबाल संघ के तत्वाधान में शुक्रवार को जिला फुटबॉल लीग का शुभारंभ स्थानीय बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में हुआ। आज के उद्घाटन मैच के मुख्य अतिथि के रूप में रानी टूटी अध्यक्ष नगर पंचायत खूंटी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी निखिल बरला खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं की किक ऑफ कर लीग मैच का उद्घाटन किया। उद्घाटन मैच अमित ब्रदर्स बनाम बीएमसी गोविंदपुर के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर हुई पहले हाफ तक बराबरी पर रही सेकंड हाफ में बीएमसी गोविंदपुर के सुदर्शन ने 48 मिनट में शानदार गोल कर अपनी टीम को एक शून्य से विजय बना दी। उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी निखिल बरला को संघ के पदाधिकारी की ओर से सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई और उन्होंने भी खूंटी के फुटबॉल को बढ़ाने की हर यथासंभव मदद करने की बात कही। इस अवसर पर खूंटी जिला फुटबॉल संघ के कार्यकारी अध्यक्ष मदन मोहन मिश्रा, संघ के सचिव चंद्रदेव सिंह, मानसिंह मुंडा, तुलसी टोपनो, मनोहर नाग सुनील नायक, परमानंद कुमार, नामजन सोए मुरूम, सोमा मुंडा, कीर्तिवास मुंडा, लालू कच्छप ,सनिका मुंडा ,आनंद कौनगाड़ी,गणेश मुंडा ,अरविंद नाग ,रोशन मुंडा सहित अन्य उपस्थित थे। शनिवार से प्रत्येक दिन दो मैच खेले जाएंगे कल का पहला मैच एमएससी खूंटी बनाम सीएफसी टाइटन के बीच 3 :00 से खेला जाएगा। वहीं दूसरी मैच ए ए बी खूंटी बनाम एसएफसी लोटो के बीच 4 :30 से खेला जाएगा। यह प्रतियोगिता 30 जून तक चलेगी जिसका फाइनल मैच 5 जुलाई को खेला जाएगा।

अपर उपायुक्त ने ईचागढ़ अंचल कार्यालय का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : अपर उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां जयबर्धन कुमार द्वारा आज ईचागढ़ अंचल कार्यालय का निरीक्षण कर अंचल में संचालित विभिन्न राजस्व एवं भूमि संबंधी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान अंचल के सभी संबंधित कर्मियों के साथ बैठक कर लगान वसूली, पंजी-2 के संधारण एवं सुधार तथा अर्जित भूमि से संबंधित नामांतरण मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई।

समीक्षा के क्रम में उपर्युक्त कार्यों की प्रगति अपेक्षित स्तर के अनुरूप नहीं पाए जाने पर अपर उपायुक्त ने संबंधित कर्मियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं भूमि अभिलेखों से संबंधित मामलों का समयबद्ध निष्पादन प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है तथा इसमें किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

अपर उपायुक्त ने सभी संबंधित कर्मियों को निर्देशित किया कि लगान वसूली में प्रगति लाते हुए पंजी-2 के संधारण एवं सुधार कार्य तथा अर्जित भूमि से संबंधित लंबित नामांतरण मामलों के निष्पादन में विशेष अभियान चलाकर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने उक्त तीनों बिंदुओं पर 15 दिनों के भीतर उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए निर्धारित अवधि के उपरांत की गई कार्रवाई का अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि राजस्व एवं भूमि अभिलेखों से संबंधित कार्यों में शत-प्रतिशत पारदर्शिता, समयबद्धता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों से जुड़े मामलों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा लंबित मामलों के निष्पादन हेतु विशेष प्रयास किए जाएं। साथ ही अभिलेखों के अद्यतनकरण, राजस्व संग्रहण में वृद्धि एवं भूमि संबंधी मामलों के त्वरित निष्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया। मौके पर अंचलाधिकारी दिपक प्रसाद, बीडीओ एकता वर्मा एवं अंचल कर्मी उपस्थित थे।

फाइलेरिया प्रभावित मरीजों का प्रमाण पत्र बनवाने के लिए हुआ पंजीयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माचा में शुक्रवार को फाइलेरिया (हाथीपांव) से प्रभावित मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने एवं उनके जीवन को सुगम बनाने के उद्देश्य से दिव्यांगता प्रमाणपत्र निर्माण शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में बड़ी संख्या में फाइलेरिया मरीजों ने भाग लिया और दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया पूरी की। शिविर का उद्घाटन जिला वेक्टर जनित रोग पदाधिकारी डॉ मृत्युंजय धावड़िया एवं पटमदा सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजीव सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।इस दौरान पटमदा सीओ सह प्रभारी बीडीओ डॉ राजेंद्र कुमार दास ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा स्वास्थ्य विभाग एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। शिविर में विशेष रूप से फाइलेरिया मरीजों के लिए आयोजित किया गया था जिनकी बीमारी की स्थिति स्टेज-3 से स्टेज-7 के बीच है। शिविर में बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे और दिव्यांगता प्रमाणपत्र के लिए अपना पंजीकरण कराया।शिविर में ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. तापस दास द्वारा मरीजों की जांच कर दिव्यांगता का मूल्यांकन किया गया। उनके द्वारा एक ही दिन में 117 फाइलेरिया मरीजों का दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनाया गया। जिससे मरीजों में काफी उत्साह देखा गया। इस विशेष शिविर का आयोजन पिरामल फाउंडेशन के समन्वय एवं सहयोग से किया गया। शिविर को सफल बनाने में पिरामल फाउंडेशन की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में प्रोग्राम लीड शशि भूषण प्रसाद, पीओ-सीडी रूपाली कुमारी शामिल थी।वही स्वस्थ विभाग की तरफ से एमपीडब्ल्यू रविंद्र दास, काजल गिरी, निर्मल, उत्तम, जन्मंजय, प्रेम किशोर, बीटीटी सरोज एवं भास्कर सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। शिविर के माध्यम से फाइलेरिया प्रभावित मरीजों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई, जिससे उन्हें भविष्य में विभिन्न सरकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों एवं अन्य लाभों तक पहुंच बनाने में सहायता मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि आगे भी इस प्रकार के शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पात्र मरीजों को लाभान्वित किया जाएगा।

कुकडू प्रखंड में जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक ग्रामीण पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ करने पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुकडू : शुक्रवार को प्रखंड प्रमुख, कुकडू की अध्यक्षता में प्रखंड जल एवं स्वच्छता समिति, कुकडू की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुकडू प्रखंड अंतर्गत संचालित एवं पूर्ण हो चुकी जलापूर्ति योजनाओं तथा ODF Plus के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ एवं निर्बाध बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। विशेष रूप से उन चापाकलों की स्थिति की समीक्षा की गई, जिनके पाइप जर्जर हो चुके हैं अथवा जिनका बोर धंस गया है। ऐसे चापाकलों को प्राथमिकता के आधार पर प्रतिस्थापित किए जाने का सुझाव दिया गया, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में आमजन को सुचारु पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। साथ ही साधारण मरम्मति योग्य खराब चापाकलों की सूची संबंधित विभागों से उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया, ताकि भीषण गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए उनकी शीघ्र मरम्मत सुनिश्चित की जा सके। बैठक में जलापूर्ति योजनाओं के नियमित अनुरक्षण, गुणवत्तापूर्ण संचालन तथा समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया। अध्यक्षीय संबोधन में प्रखंड प्रमुख द्वारा संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया गया कि पेयजल एवं स्वच्छता से संबंधित योजनाओं का नियमित अनुश्रवण करते हुए आमजन को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पेयजल से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान तथा जलापूर्ति योजनाओं के प्रभावी संचालन के लिए सभी संबंधित विभाग समन्वित रूप से कार्य करें।

संक्षिप्त खबरें

सरिया में कछुआ गति से बन रहा ओवरब्रिज विकास की भेंट चढ़े सैकड़ों रोजगार

सरिया: विकास जब विनाश का रूप लेने लगे, तो जनता का सब्र टूटने लगता है। कुछ ऐसा ही मंजर इन दिनों सरिया बाजार के हृदय स्थल यानी रेलवे फाटक के पास देखने को मिल रहा है। यहाँ बन रहे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य विकास की गति को रफ्तार देने के बजाय कछुए की चाल से रेंग रहा है। नतीजतन, स्थानीय जनता जाम और धूल फांकने को मजबूर है, तो वहीं दूसरी तरफ इस 'अधूरे विकास' ने सैकड़ों परिवारों के मुंह से निवाला छीन लिया है। लगभग दो साल पहले जब इस ओवरब्रिज के निर्माण की सुगबुगाहट शुरू हुई थी, तो क्षेत्र के लोगों को लगा था कि वर्षों पुरानी जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी। लेकिन निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ही सड़क के दोनों तरफ बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ मचाई गई। देखते ही देखते दशकों पुरानी दुकानें मलबे में तब्दील हो गईं। प्रशासन ने सड़क तो चौड़ी कर दी, लेकिन उन छोटे दुकानदारों और व्यवसायियों के पुनर्वास की कोई सुध नहीं ली जो इस बाजार की रीढ़ थे। आज स्थिति यह है कि लगभग दो साल बीतने को हैं, और रोजगार गंवा चुके लोग पाई-पाई के लिए मोहताज हैं। रोजगार छीनने का यह दर्द अब स्थानीय लोगों के आक्रोश में बदलने लगा है। दावे तो समय पर काम पूरा करने के किए गए थे, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। दो साल का लंबा वक्त गुजर जाने के बाद भी ओवरब्रिज का निर्माण कार्य आधा भी पूरा नहीं हो सका है। निर्माण स्थल पर अक्सर सन्नाटा पसरा रहता है या फिर इक्का-दुक्का मजदूर रेंगते हुए काम को आगे बढ़ाते हैं। ३हार्ट ऑफ द सिटी३ कहे जाने वाले इस बाजार का पूरा व्यापार ठप हो चुका है। उड़ती धूल और संकरे रास्तों के कारण ग्राहकों ने बाजार का रुख करना छोड़ दिया है। जो बचे-खुचे दुकानदार हैं, उनकी बोहनी होना भी मुश्किल हो गया है। रेलवे फाटक बंद होने पर लगने वाला लंबा जाम अब और भयावह हो चुका है। एम्बुलेंस से लेकर स्कूली बसें घंटों इस कछुआ गति वाले निर्माण कार्य की बलि चढ़ती हैं। स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि अगर निर्माण की यही रफ्तार रही, तो इस पुल को पूरा होने में कितने साल और लगेंगे, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। अब देखना यह है कि कुंभकर्णी नींद में सोया संबंधित विभाग और ठेकेदार इस जन-समस्या को गंभीरता से लेते हैं या सरिया की जनता को अभी और लंबे समय तक इस अधर में लटके 'विकास' का दंश झेलना पड़ेगा।

हाथी ने पटककर ली एक वृद्ध महिला की जान, घरों को तोड़ा, क्षेत्र में दहशत

ईचागढ़ : ईचागढ़ थाना क्षेत्र में हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज दिन हाथियों द्वारा जान माल की क्षति पहुंचाई जा रही है। हाथी ने ईचागढ़ थाना क्षेत्र के लाबा टोला वनडीह में बीते रात को 60 वर्षीय चंपा सिंह मुण्डा को पटक-पटक कर जान से मार दिया। वहीं चंपा सिंह मुण्डा के घर को भी छोड़ दिया। घटना की सुचना मिलते ही वन रक्षी कैलाश महतो एवं ईचागढ़ पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे व लाश को कब्जे में लेकर थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया। शुक्रवार को लाश का पोस्टमार्टम हेतु सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया गया। वन विभाग द्वारा तत्काल 50 हजार रुपए मुआवजा राशि मृतक की बेटी मालती सिंह मुण्डा को दिया गया एवं कागजी प्रक्रिया के बाद साढ़े तीन लाख रूपए मुआवजा देने की बात कही गई। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात को चंपा सिंह मुण्डा अपने घर से बाहर निकल रही थी,कि जंगली हाथी के चपेट में आ जाने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मालूम हो कि ईचागढ़ के हाड़ात गांव में 24 अप्रैल को मां बेटी को हाथी द्वारा जान से मार दिया गया था। वहीं दो महिने के अंदर ईचागढ़ व तिरूलडीह थाना में 5 व्यक्तियों की हाथियों के मुठभेड़ से मौत हो गई है।

मुहर्रम को लेकर पटमदा थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

पटमदा: आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को पटमदा व कमलपुर थाना शांति समिति की संयुक्त बैठक पटमदा थाना परिसर में सीओ सह प्रभारी बीडीओ डॉ राजेंद्र कुमार दास की अध्यक्षता में शांति समिति की आयोजित की गई। इस दौरान मुहर्रम को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। मौके पर सीओ ने कहा कि मुहर्रम पर्व के दौरान सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं अफवाहपूर्ण पोस्ट साझा न करें। उन्होंने कहा कि इस तरह का पोस्ट साझा करने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कारवाई की जाएगी। उन्होंने सरकारी नियमानुसार ही मुहर्रम पर्व को मनाने की अपील की। बैठक में जिला पार्षद खगेन चंद्र महतो, पटमदा थाना प्रभारी विष्णु चरण भोगता, कमलपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार, ग्राम प्रधान बृंदावन दास, संदीप मिश्रा, सहदेव महतो आदि उपस्थित थे।

झारखंड लोकतांत्रिक मोर्चा कि आंगो पंचायत में बैठक किया गया पार्टी विस्तार एवं पंचायत कमेटी गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अन्तर्गत आंगो पंचायत में झारखंड लोकतांत्रिक मोर्चा कि गई बैठक इस बैठक अध्यक्षता महावीर महतो एवं संचालन नरेश महतो ने किया। बैठक में पार्टी की संगठन विस्तार पर जोर दिया गया। बैठक में झारखंड लोकतांत्रिक मोर्चा के केन्द्रीय महासचिव विजय साहु उपस्थित थे । विजय साहु ने कहा कि झारखंड के जल,जंगल, जमीन को बचाना है कोल कम्पनी में रोजगार पाना है तो टाईगर जयराम महतो को मुख्यमंत्री बनान होग तभी हमलोगों का आपना अधिकार मिलेगा।और ब्लॉक में होने वाले भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी। बैठक में हजारीबाग जिला प्रवक्ता ईश्वर कुमार महतो ने कहा कि झारखंड में नियम कानून नहीं रहने के कारण कोल कम्पनीयों में बाहरी लोगों के द्वारा कब्जा किया जाता है और स्थानीय लोगों बेरोजगार रहते हैं। झारखंड सरकार जल्द स्थानीय नीति, विस्थापन नीति, पुनर्वास निति लागू करे तभी स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। जनता से यह भी अपिल किया गया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में बढ़ चढ़ कर हिसा ले और अच्छा प्रतिनिधि का चयन करे तभी हमरा गाँव और समाज विकास करेगा और भ्रष्टाचार मुक्त गांव बनेगा। साथ में पंचायत कमिटी का गठन किया गया। समिति का पंचायत अध्यक्ष विश्वनाथ कुमार, सचिव जितेन्द्र कुमार, कोषध्यक्ष राजु मुण्डा महिला मोर्चा पंचायत अध्यक्ष रीना देवी सचिव रेखा देवी कोषध्यक्ष बसती देवी उप कोषध्यक्ष सगीता देवी को बनाया गया। सौकडो महिला पुरुष ने भी झारखंड लोकतांत्रिक मोर्चा में समिल हुवे।

कांकु गांव में प्रस्तावित पत्थर खदान के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध तेज, उपायुक्त से रोक की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड के कमलपुर थाना क्षेत्र के ओड़िया पंचायत के कांकु गांव में प्रस्तावित पत्थर खदान के विरोध में ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। कांकु ग्राम के सैकड़ों महिला - पुरुषों ने शुक्रवार को जिले के उपायुक्त को आवेदन सौंपकर खनन परियोजना पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि मौजा कांकु में करीब 5.90 एकड़ भूमि पर पत्थर खदान स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। जिसका ग्राम सभा में सर्वसम्मति से विरोध किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार प्रस्तावित खदान स्थल के आसपास वर्ष 2023 में स्थापित अंतरराष्ट्रीय बागीचा, आंगनबाड़ी केंद्र, ग्रामीणों के आवासीय घर तथा जाहेरथान स्थित हैं। ऐसे में खदान संचालन के दौरान होने वाले विस्फोट, धूलकण और प्रदूषण से बच्चों, महिलाओं एवं ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही पर्यावरण संतुलन और प्राकृतिक संसाधनों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। ग्रामीणों ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि कांकु गांव अनुसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आता है।जहां ग्राम सभा की सहमति और निर्णय का विशेष महत्व है। ग्राम सभा में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि जनहित, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी परिस्थिति में प्रस्तावित पत्थर खदान स्थापित नहीं होने दिया जाएगा। ग्रामीणों ने उपायुक्त से मांग की है कि ग्राम सभा के निर्णय, ग्रामीणों की आपत्तियों और जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित पत्थर खदान की स्वीकृति प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा आगे की सभी प्रशासनिक प्रक्रियाएं स्थगित की जाएं। इस संबंध में आवेदन की प्रतिलिपि जिला खनन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा अंचल अधिकारी, पटमदा को भी भेजी गई है। आवेदन पर चूनाराम मुर्मू, श्यामसुंदर बेसरा, सोमनाथ मुर्मू, गुरुपद मुर्मू, सागुन बेसरा एवं जगदीश मुर्मू समेत काफी संख्या में ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं। बता दे कि इस ग्राम सभा का आयोजन गुरुवार को प्रखंड के कनीय अभियंता अजय मंडल और पंचायत सचिव रामजी साव सहित कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति में ग्रामीणों के बीच किया गया था। इस ग्राम सभा में दो पक्ष आमने सामने होते दिखे जिसमें एक पक्ष पत्थर खदान के स्थापना के लिए सक्रिय है तो दूसरा पुरजोर विरोध कर रहा है। ग्रामीणों के अनुसार विरोध करने वालो की संख्या अधिक बताया जा रहा हैं।लेकिन समर्थन करने वाले भी काफी सक्रिय भूमिका में हैं। उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर जेएलकेएम नेताओं ने खनन का विरोध कर रहे आंदोलनकारी का समर्थन देने पहुंचे जेएलकेएम नेता सुब्रत महतो, फनी महतो, मृत्युंजय महतो,राम प्रसाद महतो, दिनेश महतो, साहेब राम महतो, राजेश कुंभकार सहित कई नेता उपस्थित थे।

हजारीबाग में पुलिस महानिरीक्षक ने दिए लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन और अपराध नियंत्रण के कड़े निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक कार्यालय, हजारीबाग में पुलिस महानिरीक्षक, उत्तरी छोटा नागपुर प्रक्षेत्र, बोकारो ने हजारीबाग जिले के सभी पुलिस पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में पुराने लंबित कांडों, एनडीपीएस, संगठित अपराध, एससी/एसटी से जुड़े मामलों और गुमशुदगी से संबंधित कांडों के निष्पादन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए।

अवैध मादक पदार्थों पर कड़ी कार्रवाई

आईजी ने अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री वाले स्थानों को चिन्हित कर उसमें शामिल अभियुक्तों की पहचान करने का आदेश दिया। इसके लिए विशेष अभियान चलाकर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

संगठित अपराध और अवैध खन पर शिकंजा

संगठित अपराध गिरोहों, अवैध खन में संलिप्त लोगों और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों के खिलाफ CCA के तहत कार्रवाई, थाना हाजरी का प्रस्ताव भेजने और गुंडा पंजी में नाम दर्ज करने का निर्देश दिया गया।

गुमशुदा और गंभीर अपराधों की समीक्षा

जिले में लंबित सभी गुमशुदगी के मामलों की समीक्षा कर उन्हें जल्द निष्पादित करने को कहा गया। साथ ही सभी पुलिस उपाधीक्षक और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को हत्या, महिला अपराध और अन्य गंभीर कांडों के घटनास्थल की समीक्षा कर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जनता से बेहतर व्यवहार

थानों में आने वाली आम जनता के साथ शालीनता से पेश आने, उनकी समस्याओं को सुनने और विधिसम्मत कार्रवाई करने पर विशेष जोर दिया गया।

मुहर्रम पर अलर्ट

मुहर्रम त्योहार को देखते हुए सभी थानों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। किसी भी प्रकार की संदिग्ध सूचना मिलने पर तुरंत वरीय पदाधिकारी को सूचित करने का आदेश है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल,रामगढ़

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

अति–अल्पकालीन ई–निविदा संख्या:-05/R1/2024-25/RWD/RAMGARH दिनांक :- 11.06.2026

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, रामगढ़ द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	कार्य समाप्ति की अवधि	टेंडर कॉल
5	RWD/RAMGARH/20/2024-25/MMGSY	गोला	सोकला पी0डब्ल्यू0डी0 रोड से स्वर्णरेखा नदी भाया सोकला गाँव तक पथ का निर्माण कार्य (कुल लम्बाई– 1.780 कि0मी0)	160.297	09 माह	द्वितीय

2.वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:– 15.06.2026
3.ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:– 22.06.2026 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4.निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– 22.06.2026 अपराह्न 11.30 बजे।
5.निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, रामगढ़, नयानगर, घुटुवा, बरकाकाना, रामगढ़ झारखण्ड, पिन– 829103
6.ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 06553254005

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग
कार्य प्रमण्डल,रामगढ़

PR 382259 (Rural Work Department)26-27*D

एक नजर

ट्रेन से कटकर छतरपुर की बुजुर्ग महिला की मौत

पलामू : डालटनगंज रेलवे स्टेशन से सटे मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के शांतिपुरी इलाके में शुक्रवार सुबह ट्रेन से कट कर एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला रेलवे ट्रैक की ओर से गुजर रही थी, इसी क्रम में ट्रेन की चपेट में आ गई। उसकी मानसिक स्थिति खराब बताई गई है। महिला की पहचान छतरपुर के खाटिन गांव निवासी 68 वर्षीय लक्ष्मी देवी, पति शिव प्रसाद राजकिशन के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार रेलवे लाइन पर शव देखकर आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पर टीओपी तीन के प्रभारी प्रदीप कुमार मेहता को दी। मौके पर पहुंचे टीओपी तीन के प्रभारी ने शव की पहचान कराई। रेलवे ट्रैक से शव को हटाकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) में भेज दिया। टीओपी तीन प्रभारी के अनुसार महिला डालटनगंज में ही रहती थी। गुरुवार को घर से निकली थी। अचानक ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई। परिजन के अनुसार महिला की मानसिक स्थिति कुछ दिनों से खराब चल रही थी। गुरुवार रात घर से लापता होने के संबंध में पुलिस को मौखिक सूचना दी गई थी। परिजन अपने स्तर से भी खोजबीन कर रहे थे। इसी क्रम में शव बरामद हुआ।

हाथी के हमले में बुजुर्ग गंभीर, रेफर

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया प्रखंड अंतर्गत जमुआ पंचायत के इंदबनी गांव के समीप शुक्रवार सुबह एक जंगली हाथी के हमले में 60 वर्षीय काबुल मुंडा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, काबुल मुंडा सुबह किसी काम से पैदल जा रहे थे। इसी दौरान इंदबनी जंगल क्षेत्र के पास उनकी अचानक एक हाथी से आमने-सामने मुठभेड़ हो गई। हाथी ने उन्हें देखते ही हमला कर दिया और सूंड से उठाकर पटक दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और वन विभाग को इसकी जानकारी दी। वन विभाग के सहयोग से घायल काबुल मुंडा को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम अस्पताल रेफर कर दिया।

पिंड्राजोरा में बस और कार की टक्कर कार चालक घायल

बोकारो : पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के पास स्थित मोदक पेट्रोल पंप के समीप शुक्रवार सुबह लगभग आठ बजे एक सड़क हादसे में स्विफ्ट डिजायर कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार बोकारो की ओर से आ रही कल्याणी बस (सं. डब्ल्यूबी-55बी-6911) और विपरीत दिशा से आ रही स्विफ्ट डिजायर (सं.जेएच-05डीआर-4505) के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह टूट गया और अगला शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कार चालक को हल्की चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद सड़क पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मची रही, लेकिन किसी बड़े जनहानि की सूचना नहीं है। सूचना मिलते ही पिंड्राजोरा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक को प्राथमिक सहायता दी। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर थाना पहुंचाया और मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और यदि आवश्यक हुआ तो संबंधित दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नशा समाज और युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा, जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जिला प्रशासन ने शुक्रवार को नशा मुक्ति जागरूकता रथ को उपायुक्त कार्यालय परिसर से रवाना किया और लोगों को शपथ दिलाई। उपायुक्त राजीव रंजन ने हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया और कहा कि नशा समाज और युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। इसका जागरूकता ही हथियार है। नशा केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के लिए गंभीर चुनौती है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसके दुष्प्रभावों से सबसे अधिक प्रभावित होती है।

उपायुक्त ने कहा कि नशे की लत युवाओं के सपनों, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य को नुकसान पहुंचाती है। इसके कारण परिवारों में तनाव बढ़ता है और सामाजिक ताना-बाना भी प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है और इसी उद्देश्य से यह विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि नशा मुक्ति जागरूकता रथ जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों, उससे बचाव के उपायों और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जानकारी देगा। रथ के माध्यम से ऑडियो संदेश, प्रचार सामग्री और विभिन्न जनसंपर्क गतिविधियों के जरिए आम लोगों तक नशामुक्त जीवन का संदेश पहुंचाया जाएगा। राजीव रंजन ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज का सपना तभी साकार होगा, जब समाज के सभी वर्ग इस अभियान से जुड़ेंगे और युवाओं को नशे से दूर रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार है और प्रशासन इस दिशा में लगातार प्रयास करता रहेगा। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के पदाधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी तथा अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

जमीन विवाद में बड़े भाई की हत्या, पत्नी और भतीजा गंभीर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लातेहार : जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र के पोटमाडीह गांव में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों में हुई खूनी संघर्ष में बड़े भाई कामिल बेक (65)की मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी और भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार पोटमाडीह गांव निवासी कामिल बेक और उनके छोटे भाई पोलिकार्प बेक के बीच गुरुवार की रात जमीन को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि पोलिकार्प बेक ने टांगी से अपने बड़े भाई कामिल बेक पर हमला कर दिया। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंची कामिल बेक की पत्नी सलोमी बेक और बेटा निलेश बेक पर भी आरोपित ने हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में ग्रामीणों और परिजनों की मदद से तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महुआडांड़ ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने कामिल बेक को मृत घोषित कर दिया। वहीं सलोमी बेक और निलेश बेक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद महुआडांड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शुक्रवार को मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया है।

खूंटी में सहायता और सुविधा केंद्र स्थापित मिलेगी निःशुल्क विधिक सहायता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददातात

खूंटी : जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) की ओर से जिले में चार वरिष्ठजन सहायता एवं सुविधा केंद्र स्थापित किए गए हैं। यह पहल प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष डीएलएसए खूंटी रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में की गई है। डीएलएसए के अनुसार संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से प्रतिवर्ष 15 जून को विश्व वरिष्ठजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाया जाता है। इसी के मद्देनजर नालसा ने पूरे जून माह को वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, संरक्षण और न्याय तक उनकी पहुँच सुनिश्चित करने के लिए समर्पित किया है। जिले में बैंक ऑफ इंडिया खूंटी शाखा, प्रखंड कार्यालय, पिपरटोली स्थित वृद्धाश्रम तथा डीएलएसए खूंटी के फ्रंट ऑफिस में वरिष्ठजन सहायता एवं सुविधा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। प्रत्येक केंद्र पर दो-दो पारा विधिक स्वयंसेवकों (पीएलवी) की। प्रतिनियुक्ति की गई है, जिनमें एक महिला पीएलवी अनिवार्य रूप से शामिल है। ये स्वयंसेवक वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उन्हें आवश्यक कानूनी एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का कार्य कर रहे हैं। इन केंद्रों पर माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 से संबंधित मामलों में निःशुल्क कानूनी परामर्श दिया जा रहा है। साथ ही पेंशन, स्वास्थ्य लाभ, आयुष्मान भारत, बीमा सुरक्षा, दिव्यांगता एवं विधवा सहायता योजनाओं सहित विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिकों को साइबर ठगी, ओटीपी स्कैम, फर्जी केवाईसी कॉल और डिजिटल बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है। डीएलएसए ने बताया कि प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

होटल और जनरल स्टोर पर छापा, भारी मात्रा में शराब जब्त, दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बालीडीह थाना पुलिस ने रेलवे फाटक के पास अवैध शराब बिक्री पर बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना पर अमर लाइन होटल और सुमित्रा जनरल स्टोर में छापेमारी कर 264 बोतल अंग्रेजी शराब और 101 बियर कैन बरामद किए गए। होटल मैनेजर अविनाश सिंह और दुकान मालिक सूरज कुमार को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 11/12.06.2026 की रात बालीडीह थाना को सूचना मिली कि रेलवे फाटक स्थित लाइन होटल में अवैध शराब बेची जा रही है। मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार के निर्देश पर छापामारी दल गठित कर अमर लाइन होटल और बगल के सुमित्रा जनरल स्टोर पर रेड की गई। जहां से भारी मात्रा चिवस रीगल, जॉनी वॉकर, ब्लेंडर्स प्राइड, रॉयल स्टैग, सिग्नेचर, ओल्ड मोंक समेत कई ब्रांड की 264 बोतल अंग्रेजी शराब और बडवाइजर, किंगफि शर, टुबॉर्ग, गॉडफादर की 101 बियर कैन/बोतल बरामद हुईं। कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त अविनाश सिंह मैनेजर, अमर फैमिली ढाबा और सूरज कुमार उम्र-25 वर्ष मालिक, सुमित्रा जनरल स्टोर रेल फाटक, बालीडीह इस छापामारी दल मे थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पु०अ०नि० जितेन्द्र कुमार यादव, पु०अ०नि० अजय कुमार राय, स०अ०नि० बलदेव यादव, हव० शोभापती नंद मिंज, आ० 496 मरियानुस जोजो शामिल रहे।

राहे में विधायक अमित महतो ने कई विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : राहे झारखंड सरकार के विधायक निधि अंतर्गत गुरुवार के दिन स्थानीय विधायक अमित कुमार महतो की उपस्थिति में राहे प्रखंड के कदमडीह गांव में रूदन देवी के द्वारा गार्डवाल निर्माण कार्य, प्रखंड के बासाहातू में सोरो देवी के द्वारा पीसीसी पथ निर्माण कार्य, राहे चौक से कुम्हार टोली तक उर्मिला देवी के द्वारा नाली निर्माण कार्य, कनकट्टा सिमर टोली में पीसीसी पथ,पोगड़ा में स्नानागार एवं पीसीसी पथ निर्माण कार्य, पेनिया में चबूतरा निर्माण एवं बंसिया में पंचायत भवन के समीप पर गार्डवाल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास के उपरांत विधायक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि लंबे समय से चली आ रही मांग को राज्य सरकार एवं उनके प्रयास से पूरा किया गया।उन्होंने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति भी ग्रामीणों को जागरूक किया ताकि वे लाभान्वित हो सके। उन्होंने ग्रामीणों से कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान रखने एवं कार्य में सहयोग करने का अपील भी किया। इस मौके पर राहे जिप सदस्य बदल महतो, युवा नेता राजू महतो, परमेश्वर महतो, पशुपति अहीर, महेंद्र प्रसाद महतो, दुर्गा उरांव, केशव महतो, पवन साव, रतन सिंह मुंडा, देवगुण महतो, परेश महतो समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

इंस्टाग्राम पर देशी कट्टा के साथ स्टेटस डालना पड़ा महंगा, युवक हथियार के साथ गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : सोशल मीडिया पर देशी कट्टा के साथ स्टेटस लगाना एक युवक को भारी पड़ गया। पलामू जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र के पथरा ओपी अंतर्गत सरसोत गांव निवासी उपेंद्र साव के 19 वर्षीय पुत्र अभय कुमार उर्फ लड्डू को पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस मामले में हरिहरगंज थाना में आर्म्स एक्ट के तहत कांड संख्या 105/26 दर्ज किया गया है। मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपित के अलावा एक अज्ञात व्यक्ति को भी आरोपित बनाया गया है। छतरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) प्रशांत कुमार ने बताया कि दो दिन पूर्व अभय कुमार उर्फ लड्डू की ओर से इंस्टाग्राम पर देशी कट्टा के साथ फोटो लगाया गया। स्टेटस पुलिस की नजर में आया। गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक, पलामू के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित कर कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर सरसोत गांव स्थित बड़की आहर के समीप एक कुएं के पास ईंट के नीचे अखबार में लपेटकर छिपाया गया एक देशी हथियार बरामद किया गया। वहीं दूसरा हथियार भी कुछ ही दूरी पर स्थित एक अन्य कुएं से बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, कुएं से हथियार निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके लिए डीजल पंप की सहायता से कुएं का पानी निकाला गया, जिसके बाद हथियार को बरामद किया जा सका। एसडीपीओ ने बताया कि पूरे अभियान में पथरा ओपी प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। जबकि फरार अज्ञात आरोपित की पहचान और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। छापेमारी दल हरिहरगंज सब इंस्पेक्टर कुमार सौरभ,पथरा ओपी प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सिंह, हवलदार हेमंत भेंगरा, आरक्षी लालबाबू यादव, अशोक यादव, रमेश उरांव, प्रीतम कुमार जायसवाल, गणेश साह, चालक सुधीर प्रकाश, सहायक पुलिस राजेंद्र कुमार यादव आदि शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

आदिवासी परिवार की स्थिति दयनीय, सरकारी योजनाओं से वंचित

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड के पिस्का पंचायत अंतर्गत जारीडीह निवासी कलेश्वर मुंडा को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने के कारण स्थिति काफी दयनीय हो गई है। दयनीय स्थिति के कारण उनका परिवार जंगल से लकड़ी चुनकर तथा उसे बाजार में बेचकर अपना किसी तरह जीवन यापन कर रहे हैं। यहां तक कि उनका रहने का घर भी नहीं है एवं सरकार द्वारा किसी भी योजना के अंतर्गत आवास भी नहीं मिला है जिससे उनका परिवार एक मिट्टी के कमरे में ही बकरी, बैल, मुर्गा एवं मुर्गी रखते हैं तथा इसी कमरे में उनका परिवार खाना बनाने से लेकर रहने को विवश है। अभी तक इस ओर किसी भी जनप्रतिनिधि का ध्यान आकर्षित नहीं हुआ है ताकि इस गरीब परिवार को सरकार द्वारा लागू योजनाओं का लाभ मिल सके।

बोकारो जिला कबड्डी संघ का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

बोकारो : बोकारो जिला कबड्डी संघ की ओर से सेक्टर 9 बी कबड्डी मैदान में चल रहा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन शुक्रवार को हो गया। इस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में नगर के विभिन्न स्कूलों के कुल 62 खिलाड़ियों ने कबड्डी खेल का प्रशिक्षण प्राप्त किया' यह जानकारी देते हुए बोकारो जिला कबड्डी संघ के सचिव मनोज शर्मा ने बताया कि इस समर कोचिंग कैंप में खिलाड़ियों को कबड्डी खेलने का बेहतर तरीके से नए टिप्स दिया गया। साथ ही खेलने का स्किल, रेडिंग करने, कैचिंग करने व बोनस प्वाइंट लेने के बारे में विस्तृत जानकारी खेल के माध्यम से दिया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को बालक वर्ग बालिका वर्ग का अलग-अलग मैच करा कर उन्हें कबड्डी मैच खेलने के सभी नियम की जानकारी दी गई। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया व समर कैंप के समापन पर सभी खिलाड़ियों के बीच प्रमाण पत्र वितरण किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत बोकारो जिला कबड्डी संघ के सचिव मनोज शर्मा ने पुष्प गुच्छ प्रदान कर किया। समापन के अवसर पर कबड्डी कोच सेपी कुमार व ईशा कुमारी समेत और खिलाड़ी व विशिष्ट अतिथि के रूप में डा. संघमित्रा जी, सचिव, बोकारो जिला कांग्रेस पार्टी, कुलदीप जी, समाजसेवी, चन्द्रेश्वर जी, समाजसेवी, बम पाण्डेय जी, समाजसेवी, वकील कुमार जी, समाजसेवी, प्रमोद कुमार तपरिया, विकास राजहंस समाज सेवी, भागीरथ शर्मा, समाज सेवी, आदि शामिल रहे।

चास थाना दिवस में आठ जमीन मामलों का निपटारा सहमति न बनने पर कोर्ट जाने की सलाह

बोकारो : शुक्रवार को चास थाना में जमीन संबंधी मामलों को लेकर थाना दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें कुल आठ मामले थाने में आए और सभी का थाना द्वारा निष्पादन किया गया। चास थाना प्रभारी ने बताया कि इस तरह के आयोजन लगातार किए जाते रहेंगे ताकि जनता को स्थानीय स्तर पर सुविधा मिले और विवादों का त्वरित समाधान हो सके। थाना प्रभारी ने कहा कि जमीन विवादों में पुलिस की शक्तियाँ सीमित हैं। ₹हम केवल विवाद की रोकथाम और शांतिपूर्ण हल के प्रयास कर सकते हैं; न्यायिक निर्णय या पक्की प्रवर्तन पुलिस के क्षेत्राधिकार में नहीं है,₹ उन्होंने कहा। यदि दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता से समाधान संभव न हो तो उचित मार्गदर्शन कर दोनों पक्षों को न्यायालय जाने की सलाह दी जाती है। थाना दिवस में एक जमीन निष्पादन मामले में उपस्थित निवाई कुमार ने बताया कि उन्होंने चार थानों में आवेदन दिए थे। उनका आरोप है कि भोजपुर कॉलोनी निवासी धर्मेंद्र यादव ने जबरदस्ती और फर्जी एग्रीमेंट बनाकर जमीन पर कब्जे का प्रयास किया। इस मामले पर चास थाना में लिखित आवेदन के आधार पर रोकथाम के लिए कार्रवाई की गई और आज दोनों पक्षों को बुलाकर समझाया गया। वार्ता सफल न होने पर थाना ने स्पष्ट किया कि जब तक न्यायालय का निर्णय नहीं आता, जमीन पर किसी भी प्रकार का कार्य बंद रखा जाएगा, अन्यथा प्रशासनिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। थाना द्वारा कड़ी चेतावनी और न्यायालय के समक्ष मामले की पैरवी करने की बात कहने पर उपस्थित लोगों ने थाना के इस कदम की सराहना की और बताया कि स्थानीय स्तर पर ऐसे पहल से विवाद सुलझाने में मदद मिलेगी तथा अवैध कब्जा रोकने में सहूलियत होगी।चास थाना ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे जमीन से जुड़े किसी भी विवाद की सूचना समय पर थाने को दें और झूठे या अधूरी जानकारी पर जल्द कार्रवाई के लिए आवश्यक दस्तावेज और साक्ष्य प्रस्तुत करें। थाना दिवस का आयोजन नियमित रूप से जारी रहेगा ताकि प्राथमिक स्तर पर मामलों का हल संभव हो सके और भारी न्यायिक बोझ से पहले बार-बार भेजने की जरूरत कम हो।

चंडीपुर में जल निकासी बनी समस्या, मेन रोड में जलजमाव से ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

बोकारो : कसमार प्रखंड के चंडीपुर में दुर्गा मंदिर से हरि मंदिर के रास्ते में गंदे पानी के जलजमाव से ग्रामीण की परेशान बढ़ती जा रही है। इस को लेकर ग्रामीणों ने बैठक कर मंत्री योगेंद्र प्रसाद से मिलकर पाइप लाइन बिछाने व जल निकासी का काम कराने का निर्माण लिया। बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि चंडीपुर मुख्य पथ में कतिपय ग्रामीणों की मनमानी एवं अपने अपने घरों के गंदे जल की निकासी के कारण पैन के पास इन दिनों लगभग एक से डेढ़ फीट जलजमाव हो गया है। इस पानी में हर रोज ग्रामीण गिर जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह मामला लगभग तीन से चार साल पुराना है। इसके बाद दो साल पूर्व मुखिया राजेंद्र महतो की पहल पर नाली किनारे लगभग 80 घरों में मनरेगा योजना से सोख्ता का निर्माण कराया गया, ताकि नाली में गंदे पानी की निकासी न हो। इसके बावजूद ग्रामीणों ने सोख्ता के बावजूद सड़क किनारे नाली में ही जलनिकासी का कार्य जारी रखा, जिससे सड़क पर जलजमाव से ग्रामीणों को मुक्ति नहीं मिली। इस रास्ते से ही चंडीपुर के ग्रामीण दुर्गा मंदिर पूजा अर्चना करने जाते हैं, लेकिन सभी गंदे पानी से होकर ही मंदिर जाने को विवश है। ग्रामीणों ने बैठक में तय किया है कि मंत्री योगेंद्र प्रसाद से मिलकर हरि मंदिर से लेकर दुर्गा मंदिर के सामने पैन तक दो फीट का पाइप लाइन बिछाया जाए, ताकि इस पाइप से बरसात के पानी की निकासी गांव से बाहर निमाय महतो के खेत तक हो एवं पूर्व में निर्मित नाली को जाम कर दिया जाए, ताकि इस नाली से ग्रामीण गंदे जल की निकासी न कर सके। ग्रामीणों ने बताया कि पाइप लाइन के पानी के लिए बड़े आकार का सोख्ता के लिए भी मंत्री से गुहार लगाएंगे। ग्रामीणों ने बताया कि जल्द से जल्द इस मुद्दे पर पहल नहीं हुई तो रास्ते में गंदे पानी के जलजमाव से महामारी या अन्य बरसाती बीमारियों की आशंका है।

वनांचल एक्सप्रेस से 58 लाख के 174 चोरी के मोबाइल के साथ दो युवक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के मालदा रेल मंडल अंतर्गत बरहरवा रेलवे स्टेशन पर रांची से भागलपुर जा रही वनांचल एक्सप्रेस ट्रेन से आरपीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 174 पीस चोरी के मोबाइल के साथ दो व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सभी मोबाइल की कीमत करीब 58 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार दोनों युवक पश्चिम बंगाल के मालदा जिला कालियाचक के बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट बरहरवा इंस्पेक्टर संजीव कुमार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ट्रेन संख्या 13403 अप वनांचल एक्सप्रेस के जनरल कोच में दो व्यक्ति बड़ी संख्या में संदिग्ध चोरी के मोबाइल फोन लेकर यात्रा कर रहे हैं। सूचना के आधार पर आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के निरीक्षक संजीव कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ के सिपाही अनिल कुमार साह और सीपीडीएस टीम के सिपाही विनय कुमार वर्मा, प्रधान आरक्षी योगेन्द्र मांझी और सिपाही नितीश कुमार के साथ गुमानी स्टेशन से बरहरवा रेलवे स्टेशन तक विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान जनरल कोच संख्या ईआर-104464 में दो संदिग्ध व्यक्ति पिट्ठू बैग के साथ पाए गए। छापामारी दल को देखकर दोनों चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास करने लगे, जिन्हें तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए पकड़ लिया गया। पूछताछ में उनकी पहचान मो. नासरुद्दीन शेख (28 वर्ष) और मो. रहमत शेख (23 वर्ष), दोनों निवासी कलियाचक, जिला मालदा (पश्चिम बंगाल) के रूप में हुई। बरहरवा स्टेशन पर दोनों के बैगों की तलाशी लेने पर कुल 174 पुराने और प्रयुक्त एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए गए। इनमें से 85 मोबाइल फोन मो. नासरुद्दीन शेख और 89 मोबाइल फोन मो. रहमत शेख के कब्जे से प्राप्त हुए। बरामद मोबाइल फोनों का अनुमानित बाजार मूल्य 58,95,878 रुपये आंका गया है। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपी बरामद मोबाइल फोनों के संबंध में कोई वैध दस्तावेज, स्वामित्व प्रमाण और संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके उपरांत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के प्रावधानों के तहत सभी मोबाइल फोनों को विधिवत जप्त कर जप्ती सूची तैयार की गई और आवश्यक कानूनी कार्रवाई हेतु दोनों आरोपियों एवं बरामद मोबाइल फोनों को रेल थाना बरहरवा के सुपुर्द कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, विभिन्न क्षेत्रों से लोगों के मोबाइल चोरी कर एक गैंग के द्वारा यह पूरा मोबाइल बेचा गया है जिसकी जांच अभी चल रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर इन लोगों के पास इतना मोबाइल बेचने वाला कौन है और इस सिंडिकेट में कौन-कौन लोग शामिल है।

एक नजर

रेलवे स्टेशन पर महिला से अभद्रता, पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया

साहिबगंज: रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक में सोमवार देर रात एक महिला परिवार यात्री के साथ अभद्र व्यवहार छेड़खानी ओर मारपीट की घटना घटी है। सूचना मिलने पर नगर थाना पुलिस ओर जीआरपी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो व्यक्ति को हिरासत में लिया है। घटना के बाद स्टेशन परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मिली जानकारी के अनुसार चंद्रहास कुमार अपनी पत्नी, दो बच्चों और वृद्ध मां के साथ पटना से साहिबगंज देर रात्रि पहुंचे थे। परिवार जिरवाबाड़ी स्थित अपने घर जाने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर मौजूद दो युवकों ने कथित रूप से महिला के साथ अभद्र व्यवहार छेड़खानी और मारपीट किया। इस दौरान वृद्ध महिला एवं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी दुर्व्यवहार करते हुए छेड़खानी व मारपीट किया।पीड़ित परिवार ने बताया कि घटना के दौरान उन्होंने जीआरपी पुलिस से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया लेकिन कोई नहीं सुना। बाद में स्टेशन परिसर के बाहर नगर थाना के पुलिसकर्मियों को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों आरोपित युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना के बाद प्लेटफॉर्म पर यात्रियों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की मांग की।

पल्स पोलियो अभियान की सफलता को लेकर प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हिरणपुर: पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में 28 से 30 जून तक संचालित होने वाले पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं अंचल अधिकारी (सीओ) ने संयुक्त रूप से की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, एएनएम, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं तथा अभियान से जुड़े अन्य कर्मियों को पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन संबंधी आवश्यक जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाई जाएगी, ताकि कोई भी बच्चा इस महत्वपूर्ण टीकाकरण से वंचित न रह जाए। प्रशिक्षण के दौरान कर्मियों को घर-घर सर्वेक्षण, पोलियो बूथ संचालन, छूटे हुए बच्चों की पहचान, निगरानी व्यवस्था तथा टीकाकरण से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी गई।

एनजीटी की रोक के बावजूद अवैध बालू कारोबार जारी

अमड़ापाड़ा : झारखण्ड राज्य में बालू खनन पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण की रोक के बावजूद अवैध बालू उठाव और परिवहन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के शहरघाटी मिशन के समीप अवैध बालू से लदा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार देर रात बालू लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। बताया जा रहा है कि वाहन में क्षमता से अधिक बालू लोड था और तेज रफ्तार के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा। दुर्घटना के बाद सड़क पर बड़ी मात्रा में बालू फैल गया, जिससे कई घंटों तक आवागमन प्रभावित रहा। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एनजीटी की रोक के बावजूद क्षेत्र में रात के समय अवैध बालू परिवहन खुलेआम जारी है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर जिला प्रशासन ने बच्चों को कराया श्रम मुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर श्रम अधीक्षक महफूज अहमद के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं मंथन संस्था द्वारा सदर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न इलाकों में जागरूकता कार्यक्रम कर बाल श्रम मुक्त जिला बनाने को लेकर कैंपेन भी चलाया गया। शुक्रवार को धावा दल टीम द्वारा साहिबगंज के स्टेडियम रोड, गोराबाड़ी हटिया,पश्चिम फाटक, सब्जी मंडी, एल.सी रोड, बरतल्ला, पुरानी साहिबगंज, पूर्वी फाटक जैसे विभिन्न इलाकों में श्रम अधीक्षक द्वारा प्रतिष्ठानों में काम कर रहे श्रमिक बच्चों को श्रम मुक्त कराया और प्रतिष्ठा मलिक को कड़ी हिदायत दिया गया कि अगर दोबारा नाबालिक बच्चों से श्रम कराते हुए पाए जाने पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जुर्माना भी किया जाएगा। शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों में बाल श्रम से संबंधित पोस्टर बैनर भी लगा कर लोगों को जागरूक करने का काम किया गया। विदित हो कि विश्व बाल श्रम निषेध दिवस की शुरूआत अंतर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा वर्ष 2002 में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य बाल श्रम की वैश्विक सीमा पर ध्यान केंद्रित करना और बाल श्रम को पूरी तरह से खत्म करने के लिये आवश्यक प्रयास करना है। अभियान में गठित धावादल टीम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी बासुदेव मृधा, मोहम्मद इरशाद अंसारी, राहुल कुमार, शुभभ सौरव, मंथन संस्था से जिला समन्वयक अमन वर्मा,चाइल्ड हेल्पलाइन से सुमन कुमार, संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

साहिबगंज में फूड इंस्पेक्टर का छापा कई मिठाई दुकानों को थमाया नोटिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : आम लोगों को बेहतर और गुणवत्ता पूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध नहीं कराए जाने वाले दुकानदारों की जांच अब शुरू हो गई है। पाकुड़ के खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार, जो साहिबगंज जिले के अतिरिक्त प्रभार में हैं, शुक्रवार को उन्होंने साहिबगंज जिले के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर बाजार के विभिन्न मिठाई दुकान में छापा मारा और वहां से नमूना कलेक्ट किया। कई दुकानदारों को खाद्य पदार्थ सही नहीं होने पर उन्हें खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत नोटिस थमाया और कुछ दुकानदारों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि राजा रानी रंग और भी कलरफुल रंग का उपयोग मिठाई और नाश्ते के सब्जी और छोले में नहीं करनी है। फूड इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि आम लोगों को शुद्ध और पोषक तत्व वाला खाद्य पदार्थ दुकानदार को उपलब्ध कराना है। किसी भी प्रकार का रंग या कोई भी केमिकल का उपयोग मिठाई या नाश्ते में नहीं करना है। दुकानदार अगर ऐसा करते हुए पकड़े जाएंगे तो उनके खिलाफ हम लोग पहले नोटिस जारी करेंगे। अगर वह अपने कार्यशैली में सुधार नहीं लाते हैं तो उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई भी करेंगे। फूड इंस्पेक्टर ने बताया कि कोटालपोखर बाजार के हाटपाड़ा, शांतिमोड़, रेलवे फाटक सहित विभिन्न क्षेत्रों में जांच की गई और दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई। कुछ नमूने सही पाए गए, जबकि गड़बड़ी मिलने पर नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर जुमार्ना और प्राथमिकी की कार्रवाई की जाएगी। अभी जांच जारी है और सैंपल रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

साहिबगंज में 70वीं संथाल परगना क्षेत्र पुलिस ड्यूटी मीट का हुआ भव्य समापन

एसपी ने मोमेंटो, मेडल व सर्टिफिकेट देकर किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : 70वीं संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मिट के अंतिम दिन शुक्रवार को ओवरऑल विजेता पाकुड़ जिला बल व सभी विजेता प्रतिभागियों को पुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय सभागार में एसपी अमित कुमार सिंह ने मोमेंटो, मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। वही इससे पूर्व अपराध अनुसंधान विभाग रांची की ओर से क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मिट के सुचारू संचालन ओर प्रतियोगिता परीक्षाओं के निष्पक्ष आयोजन के लिए एक उच्च स्तरीय परीक्षक मंडल का गठन किया गया था। परीक्षक मंडल ने सभी प्रतियोगिता का आयोजन करके परिणाम के आधार पर विजेता का चयन किया। जिसमें फिंगर प्रिंट, वैज्ञानिक जांच, क्राइम इन्वेस्टिगेशन, कानून के नियमों, कोर्ट जजमेंट, कंप्यूटर साक्षरता ओर फोटोग्राफी विषयों पर पुलिस अधिकारियों व आरक्षी का प्रैक्टिकल, लिखित व मौखिक परीक्षा लिया गया था। चयन समिति में राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला के वैज्ञानिक सहायक, सीआईडी के विशेषज्ञ ओर अनुभवी पुलिस अधिकारी शामिल थे। परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान आने वाले को मोमेंटो, मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। एसपी ने कहा कि पहली बार जिला में संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मिट का आयोजन किया गया ओर रांची में होने वाली पुलिस मिट के लिए भी टीम का गठन किया गया। पाकुड़ जिलाबल को ओवरऑल चैंपियन ओर साहिबगंज जिलाबल उपविजेता रही। वही पुलिस मीट में ओवरऑल रेंज चैंपियन जामताड़ा जिलाबल के आरक्षी मुचकुन्द कुमार राय ओर उपविजेता पाकुड़ जिला बल के इंस्पेक्टर प्रयाग दास हुआ। एसपी अमित कुमार सिंह ने सभी विजेताओं को मोमेंटो, सर्टिफिकेट व मेडल देकर सम्मानित किया। वही टीम लीडर को मोमेंटो देकर ओर रांची अपराध अनुसंधान विभाग से आए ज्यूरी मेंबर को अंग वस्त्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

संथाल परगना पुलिस कर्तव्य प्रतियोगिता में पाकुड़ जिला बना समग्र विजेता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : साहेबगंज पुलिस केंद्र में 10 से 12 जून 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय संथाल परगना क्षेत्रीय पुलिस कर्तव्य प्रतियोगिता-2026 में पाकुड़ पुलिस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सभी छह जिलों को पीछे छोड़ समग्र जिला विजेता (ओवरऑल डिस्ट्रिक्ट चैंपियन) का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में संथाल परगना के दुमका, पाकुड़, साहेबगंज, गोड्डा, जामताड़ा एवं देवघर जिलों के पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान न्यायालयिक विज्ञान (लिखित), चिकित्सीय-विधिक परीक्षा (मौखिक), साक्ष्य संग्रहण, पैकिंग एवं प्रेषण, अपराध अनुसंधान, कानून, नियम एवं न्यायालय के निर्णय, अंगुली चिन्ह परीक्षण, छायांकन, अवलोकन परीक्षा, पुलिस चित्रांकन, कंप्यूटर जागरूकता तथा श्वान दस्ता परीक्षण सहित कुल दस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पाकुड़ जिले से 14 पुलिस प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में पाकुड़ के पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने कई व्यक्तिगत श्रेणियों में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की। चिकित्सीय-विधिक परीक्षा (मौखिक) में पुलिस निरीक्षक प्रयाग दास ने प्रथम तथा पुलिस अवर निरीक्षक नागेंद्र कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अपराध अनुसंधान, कानून, नियम एवं न्यायालय के निर्णय विषयक प्रतियोगिता में पुलिस निरीक्षक प्रयाग दास द्वितीय स्थान पर रहे।

बाल श्रम मुक्त समाज के निर्माण में सभी विभागों एवं संस्थाओं की सहभागिता आवश्यक : उप विकास आयुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई एवं जनलोक कल्याण परिषद, पाकुड़ के संयुक्त तत्वावधान में समाहरणालय सभागार में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त, पाकुड़ ने की। कार्यशाला का शुभारंभ उप विकास आयुक्त, बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों, रेलवे पुलिस पदाधिकारियों, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी तथा अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल ने कहा कि जिले में बाल श्रम से जुड़े प्रत्येक बच्चे को इस कुप्रथा से मुक्त कर उनके अधिकारों के अनुरूप निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा से जोड़ना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बाल श्रमिक बच्चों के परिवारों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम में संलिप्त बच्चों के नियोक्ताओं के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। इसके लिए बाल संरक्षण से जुड़े सभी विभागों, संस्थाओं एवं गैर-सरकारी संगठनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों, रेलवे विभाग के पदाधिकारियों, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी तथा अन्य वक्ताओं ने बाल श्रम निषेध, बाल अधिकारों की सुरक्षा एवं पुनर्वास से संबंधित अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बाल श्रम उन्मूलन हेतु संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं सरकारी प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने बाल श्रम की अवधारणा, इसके सामाजिक एवं आर्थिक कारणों, झारखंड में बाल श्रमिकों की स्थिति तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रतिभागियों को दी। वहीं विधि-सह-परिवीक्षा पदाधिकारी ने बाल श्रम से संबंधित कानूनी प्रावधानों, दंड व्यवस्था एवं नवीनतम कानूनी प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

संक्षिप्त खबरें

बंधुआ मजदूरी, बाल श्रम एवं प्रवासी श्रमिकों के अधिकारों पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

पाकुड़ : ज़िले में श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को हिरणपुर, लिट्टीपाड़ा एवं पाकुड़िया प्रखंड सभागारों में बंधुआ मजदूर (उन्मूलन), बाल श्रम निषेध एवं प्रवासी श्रमिकों के अधिकारों एवं कल्याणकारी योजनाओं विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि बंधुआ मजदूरी एवं बाल श्रम जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रवासी श्रमिकों के पंजीकरण को सुनिश्चित करने तथा श्रमिकों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी द्वारा बंधुआ मजदूरी उन्मूलन अधिनियम, बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा प्रवासी श्रमिकों के पंजीकरण एवं अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से अपील की कि बाहर रोजगार हेतु जाने वाले सभी श्रमिकों का प्रवासी श्रमिक के रूप में अनिवार्य रूप से निबंधन कराएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सरकारी सहायता एवं सुरक्षा का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कहीं भी बाल श्रम कराया जाता हुआ पाया जाए तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित प्रखंड के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी को दें, ताकि नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। कार्यशाला में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, विभिन्न पंचायतों के मुखिया, जनप्रतिनिधि, श्रम विभाग के कर्मी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

साहिबगंज में विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर परिषद ने निकाली जागरूकता रैली

साहिबगंज: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर परिषद साहिबगंज द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण संबंधी जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कर्मियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण के प्रति जागरूक किया गया। प्रतिभागियों ने पर्यावरण बचाने एवं हरित भविष्य के निर्माण का संदेश देते हुए नगरवासियों को प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। इसके उपरांत मुक्तेश्वर धाम स्थित गंगा तट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गंगा किनारे एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई तथा लोगों को स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वच्छ जल स्रोतों के महत्व की जानकारी दी गई। उपस्थित जनसमूह को पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग तथा स्वच्छता बनाए रखने के संबंध में शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान आम लोगों के बीच पौधों का वितरण किया गया तथा सभी से अपने जीवन में कम-से-कम एक पौधा लगाने एवं उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छ और हरित वातावरण ही आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकता है। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान, उपाध्यक्ष विनीता देवी, कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (नमामि गंगे) अमित कुमार सिंह, सभी वार्डों के वार्ड पार्षद, नगर परिषद के पदाधिकारी एवं कर्मी सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें : विनोद पांडेय

साहिबगंज: संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को टाउन हॉल में झामुमो का कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने की। सम्मेलन में पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने शिकरत की। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ कमिटी की चर्चा चुनाव के दौरान सुर्खियों में रहती है। इसके बाद कोई नाम लेने वाला नहीं होता। लेकिन झामुमो अपने जमीनी कार्यकताओं को नहीं भूलता। पार्टी की ओर से जिला अध्यक्षों को पूर्व से निर्देश है कि बूथ कमिटी महत्वपूर्ण है। उसे संजो कर रखा जाए। कहा कि किसी भी सक्रिय संगठन में इससे मजबूत कोई कमिटी नहीं। ऐसा नहीं कि एसआईआर व जनगणना के समय आपकी खोजबीन की जा रही है। बूथ कमिटी की भूमिका व उसकी जिम्मेदारी को भुलाया नहीं जा सकता। चल रही एसआईआर प्रकिया के तहत बीएलए-2 के साथ-साथ बूथ कमिटी को भी मजबूत किया जाएगा। जिसमें ज्यादा से ज्यादा संख्या महिलाओं की सुनिश्चित की जाएगी। युवा, बुजुर्ग व सभी की भागीदारी भी होगी। बूथ कमिटी को ही पार्टी ल्ता मजबूत स्तंभ माना जायेगा। पार्टी के सांगठनिक ढांचा में जिला, प्रखंड व पनचायत कमिटी के साथ बूथ कमिटी की एक चेन बनेगी। सभी बीएलए-2 को सहयोग करेंगे। सब मिलकर सुनिश्चित करेंगे कि एसआईआर और जनगणना में किसी का नाम हर हाल में ना कटे। 18 साल वालों का नाम वोटर लिस्ट में जोड़ना सुनिश्चित करें। सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी समझिए। सभी को सचेत करने आये हैं। हर स्तर पर सहयोग से ही विपरीत परिस्थिति में काम कर पाएंगे। इस जिम्मेदारी को कोई हल्के में ना लें। कई चुनौतियों से आगाह करने आये हैं। वोटर लिस्ट से नाम काटने की प्रक्रिया शुरू हो गई है समझ लीजिये। सभी मिलकर अपना नाम व अपनों के नाम को सुरक्षित कीजिये। साहिबगंज के 3 विधानसभा में 1 लाख 92 हजार 793 वोटरों को अनमैप किया गया है। किसी को नहीं मालूम किसका नाम वोटर लिस्ट से अनमैप कर दिया गया है। सभी अपने-अपने बूथों पर जा कर पता करें। विनोद पांडेय ने कार्यकताओं को बिहार व बंगाल चुनाव की याद दिलाते हुए कहा कि वहां लाखों वोटरों का नाम काट दिया गया। जबकि ऐसा करना जनता के संवैधानिक अधिकार के साथ एक साजिश है। ऐसे में सभी कार्यकर्ता सबसे पहले वोटर लिस्ट में नाम दर्ज को सुनिश्चित कर उसे सुरक्षित रखना है।

इंडियन आइडल की जज बनीं नेहा कक्कड़

बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका नेहा कक्कड़ आज देश की सबसे चर्चित सिंगर्स में गिनी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। उनकी जिंदगी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि जिस रियलिटी शो में वह एक कंटेस्टेंट के रूप में हिस्सा लेकर बाहर हो गई थीं, बाद में उसी शो में जज की कुर्सी तक पहुंचीं। नेहा कक्कड़ का परिवार एक छोटे से किराए के घर में रहता था। संगीत से जुड़े माहौल में पली-बढ़ीं नेहा को बचपन से ही गाने का शौक था। उनकी बड़ी बहन सोनू कक्कड़ और भाई टोनी कक्कड़ भी संगीत से जुड़े रहे हैं। महज चार साल की उम्र में नेहा ने धार्मिक आयोजनों और जागरणों में गाना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र में ही वह परिवार के साथ मंच पर भजन गाती थीं। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उन्होंने गायकी को ही अपना भविष्य बनाने का फैसला किया। बेहतर अवसरों की तलाश में परिवार दिल्ली आया और बाद में नेहा अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ मुंबई पहुंच गईं। यहां उन्हें कई बार निराशा का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2005 में नेहा ने 'इंडियन आइडल' में हिस्सा लिया, लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सकीं और शुरुआती दौर में ही बाहर हो गईं। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यही लड़की एक दिन उसी मंच पर जज बनकर बैठेगी।

शो से बाहर होने के बाद नेहा ने छोटे-बड़े कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। साल 2008 में उनका पहला म्यूजिक एल्बम 'नेहा द रॉकस्टार' रिलीज हुआ। इसी दौरान उन्होंने फिल्म 'मीराबाई नॉट आउट' में कोरस सिंगिंग की। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों और म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में काम मिलने लगा। फिल्म 'कॉकटेल' का गाना 'सेकंड हैंड जवानी' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इस गाने ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। इसके बाद सफलता का सिलसिला लगातार आगे बढ़ता गया। 'लंदन ठुमकदा', 'सनी सनी', 'काला चश्मा', 'दिलबर' और 'आंख मारे' जैसे गानों ने उन्हें बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय आवाजों में शामिल कर दिया। उनकी गायकी को देश ही नहीं, विदेशों में भी पसंद किया जाने लगा। सोशल मीडिया और यूट्यूब पर भी उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग बनी। नेहा को उसी 'इंडियन आइडल' में जज बनने का मौका मिला, जहां कभी वह कंटेस्टेंट के रूप में बाहर हो गई थीं। उन्होंने कई सीजन में जज की भूमिका निभाई और नए प्रतिभाशाली गायकों को मार्गदर्शन दिया।

तापसी पन्नू को नहीं मिल रहे खास तरह के रोल

शाहरुख को लेकर कहा

तापसी पन्नू ने हाल ही में एक अहम मुद्दे पर बात की है। वह महिला कलाकारों के साथ हो रहे भेदभाव का जिक्र करती हैं। खुद भी वह ऐसी ही चुनौती का सामना कर रही हैं। तापसी का कहना है कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें कुछ खास तरह के किरदार ऑफर ही नहीं हो रहे हैं, मेकर्स को लगता है कि वो ऐसे किरदारों के लिए बड़ी हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में होता है उम्र को लेकर भेदभाव

हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू कहती हैं, 'जब तक आप इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाते हैं, तब तक आप 30 साल के हो चुके होते हैं। फिर वे कहते हैं कि आप रोमांटिक-कॉमेडी में काम करने के लिए उतने यंग नहीं हैं। लेकिन मेल एक्टर्स के मामले में ऐसा नहीं होता है। इंडस्ट्री में उम्र को लेकर भेदभाव एक बड़ी बात है।'

तापसी पन्नू करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

तापसी पन्नू की हाल ही में एक फिल्म 'अस्सी' रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक वकील का रोल किया। यह फिल्म दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ती है। तापसी पन्नू 'वो लड़की है कहां' और 'गांधारी' जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी।

शाहरुख का दिया उदाहरण

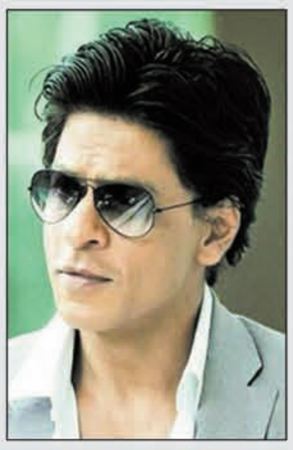

आगे तापसी पन्नू कहती हैं, 'साउथ में भी मेरे साथ ऐसा होता था। जैसे ही मुझे किसी सीनियर एक्टर के अपोजिट कास्ट किया जाता, यंग एक्टर मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे।' तापसी फिर बॉलीवुड का जिक्र करते हुए कहती हैं, 'शाहरुख खान के बारे में तो आप ऐसी बात कहने की हिम्मत भी नहीं कर सकते हैं।' इस तरह तापसी ने जाहिर किया दिया कि उम्र को लेकर भेदभाव सिर्फ एक्ट्रेसेस के साथ होता है, मेल एक्टर्स के करियर पर उम्र बढ़ने का कोई असर नहीं होता है।

पुलकित सम्राट ने पूरी की अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग

अभिनेता पुलकित सम्राट ने निर्देशिका स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित और रमेश तौरानी की टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बन रही अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि फिल्म की आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है, लेकिन सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब केवल एक गाने की शूटिंग बाकी है।

फिलहाल अपने प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच चुका पुलकित सम्राट का यह प्रोजेक्ट दर्शकों के एक कदम और करीब आ गया है। वैसे पिछले साल जब पुलकित का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था, तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी, लेकिन इस खबर के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता अब चरम पर पहुंच चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड के सबसे सफल प्रोडक्शन हाउसेज में से एक टिप्स फिल्म्स के साथ एक उभरती हुई निर्देशिका और अपने करियर के मजबूत दौर से गुजर रहे अभिनेता का यह सहयोग इंडस्ट्री में पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है। हालांकि पुलकित की इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर भी ऐसे समय में आई है, जब पुलकित को उनकी हालिया रिलीज 'ग्लोरी' में दमदार प्रदर्शन के लिए काफी सराहना मिल रही है।

गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट में एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए पुलकित को उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और अभिनय के लिए दर्शकों ने खूब पसंद किया है। सिर्फ यही नहीं इस किरदार ने एक कलाकार के रूप में पुलकित की न सिर्फ एक नई छवि पेश की है, बल्कि चुनौतीपूर्ण व विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी प्रतिष्ठा को भी और मजबूत किया है। सालों से अलग-अलग शैलियों में प्रयोग करते आए पुलकित सम्राट ने कमर्शियल एंटरटेनर्स के साथ-साथ परफॉर्मेंस आधारित किरदारों के बीच संतुलन बनाए रखा है। यही वजह है कि 'ग्लोरी' से मिली इस नई रफ्तार के बाद अब दर्शकों के बीच टिप्स फिल्म्स के साथ उनकी इस नई फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। फिलहाल शूटिंग के बाद अंतिम चरण में पहुंच चुकी इस फिल्म में पुलकित सम्राट को बतौर मुख्य अभिनेता एक और दिलचस्प किरदार निभाते देखना वाकई आँखों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। फिलहाल मेकर्स की ओर से आने वाले महीनों में फिल्म की आधिकारिक घोषणा किए जाने की संभावना है।

क्या गौतम तिन्ननुरी की फिल्म में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं ।

शोभिता धुलिपाला ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

नागा चैतन्य के साथ रिश्ते और शादी को लेकर लंबे समय से सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रहीं शोभिता धुलिपाला ने आखिरकार आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 'अब मुझे लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता। मैं अपनी जिंदगी के बेहद खूबसूरत दौर में हूं।' बता दें कि शोभिता और नागा चैतन्य के रिश्ते की चर्चा साल 2022 में शुरू हुई थी। इसके बाद अगस्त 2024 में दोनों ने सगाई की और उसी साल दिसंबर में शादी कर ली। हालांकि, इस रिश्ते को लेकर शोभिता को लगातार सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। शोभिता ने आगे कहा कि 'लोगों की दिलचस्पी और चर्चाओं को मैं उत्सुकता के तौर पर देखती हूं। मैं बस अपनी जिंदगी जी रही थी और मुझे समझ नहीं आता कि लोग मुझसे कैसी प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे हैं। समय के साथ मुझे अपनी पहचान और मानसिक मजबूती का बेहतर एहसास हो गया है।'

अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं ऋतिक रोशन

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन अब अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इशारा किया है कि वह अब सीधे-साधे और हमेशा सही रहने वाले किरदारों से हटकर कुछ अलग और गंभीर यानी ग्रे शेड की भूमिकाएं करना चाहते हैं। ऋतिक ने माना कि डायरेक्टर अक्सर उन्हें सिर्फ पॉजिटिव रोल ही ऑफर करते हैं, जिससे वे थोड़े निराश हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की दिल की बात

ऋतिक ने पेरिस की एक खूबसूरत सड़क से अपनी एक सेल्फी शेयर की, जिसके बैकग्राउंड में एफिल टावर दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे अभी पूछा गया कि मैं किस तरह का रोल करना चाहता हूं। जब मुझे इसका जवाब मिला, तो मैं खुद भी हैरान रह गया। क्या आपको फिल्म 'लक बाय चांस' का जफ्फर याद है? मुझे वैसा ही रोल चाहिए।' ऋतिक ने आगे लिखा, 'अगर मुझे ऐसा कोई मौका मिला, तो मैं उसे तुरंत अपना लूंगा। लेकिन दुख की बात है कि डायरेक्टर मुझे सिर्फ अच्छे इंसान के रोल में ही देखना चाहते हैं।'

क्या था 'जफ्फर' का किरदार?

साल 2009 में आई निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म 'लक बाय चांस' में ऋतिक ने 'जफ्फर' नाम के एक मतलबी और घमंडी सुपरस्टार का छोटा सा रोल निभाया था। भले ही वह रोल छोटा था, लेकिन लोगों को बहुत पसंद आया था। ऋतिक की इस पोस्ट को देखकर जोया अख्तर ने तुरंत कमेंट में लिखा, 'चलो, कॉफी पर मिलते हैं।'

ऋतिक रोशन के आने वाले प्रोजेक्ट्स

ऋतिक को आखिरी बार फिल्म 'वॉर 2' में देखा गया था, जिसे बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। आने वाले समय में वे इन बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। 'कृष 4' सुपरहिट सुपरहीरो फिल्म से ऋतिक पहली बार निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म को यश राज फिल्म्स और राकेश रोशन मिलकर बना रहे हैं। इसके अलावा ऋतिक अपनी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'स्टॉर्म' है। 'स्टॉर्म' से ऋतिक अब ओटीटी की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। 'स्टॉर्म' मुंबई पर आधारित एक थ्रिलर सीरीज है।

'कांटे 2' को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं संजय गुप्ता

निर्देशक संजय गुप्ता ने पुष्टि की है कि वह अपनी चर्चित फिल्म 'कांटे' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'कांटे 2' की कहानी का शुरुआती खाका तैयार कर लिया गया है और अब वह इसकी स्क्रिप्ट लिखने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। संजय गुप्ता और संजय दत्त लंबे समय से साथ काम करते रहे हैं। दोनों ने 'आतिश', 'जंग', 'खौफ', 'कांटे', 'मुसाफिर', 'जिंदा' और 'दस कहानियां' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। संजय का मानना है कि संजय दत्त में आज भी किसी फिल्म को अपने दम पर सफल बनाने की क्षमता है। निर्देशक ने यह भी खुलासा किया कि 'कांटे' लंबे समय तक कानूनी विवाद में फंसी रही, जिसके कारण सीक्वल पर काम आगे नहीं बढ़ पाया। अब यह मामला सुलझ चुका है, जिससे वह फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं।

धर्मशाला में भारत-अफगानिस्तान के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला आज

एजेंसी

धर्मशाल : एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मुकाबला खेला जाएगा। डे-नाइट प्रारूप में होने वाले इस मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ अफगानिस्तान से भी बड़ी संख्या में प्रशंसक धर्मशाला पहुंच रहे हैं। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, कप्तान शुभमन गिल समेत भारतीय टीम के कई प्रमुख खिलाड़ी धर्मशाला पहुंच चुके हैं। वहीं धौलाधार पर्वतमाला पर हालिया बर्फबारी के कारण स्टेडियम का नजारा और भी आकर्षक हो गया है। हरे-भरे मैदान और बर्फ से ढकी चोटियों के बीच होने वाला यह मुकाबला खेल प्रेमियों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। एचपीसीए के सचिव मनुज शर्मा ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और संघ एक और यादगार अंतरराष्ट्रीय मुकाबले की मेजबानी के लिए तैयार है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम ने हिमाचल प्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से पर्यटन और रोजगार को भी बढ़ावा मिला है।

भारत का रिकॉर्ड मजबूत

भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक चार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत ने तीन मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ था। अफगानिस्तान अभी तक भारत के खिलाफ एकदिवसीय प्रारूप में जीत दर्ज नहीं कर सका है।

धर्मशाला में भारत का दबदबा

धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में भारतीय टीम अब तक पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुकी है, जिनमें तीन में जीत और दो में हार मिली है। वर्ष 2023 के विश्व कप में भारत ने इसी मैदान पर अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड दोनों को हराया था। धर्मशाला में अब तक कुल नौ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जा चुके हैं। यहां आखिरी मुकाबला 28 अक्टूबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच विश्व कप के दौरान खेला गया था।

फीफा विश्व कप 2026 : उद्घाटन मुकाबले में मेक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराया

एजेंसी

मेक्सिको सिटी : फीफा विश्व कप 2026 के उद्घाटन मुकाबले में मेक्सिको ने घरेलू दर्शकों के सामने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अभियान की विजयी शुरूआत की। एस्टादियो एज्टेका में गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में दूसरे हाफ में घटनाओं की भरमार रही और कुल तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाए गए। मेक्सिको ने मैच की शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और नौवें मिनट में विश्व कप 2026 का पहला गोल देखने को मिला। दक्षिण अफ्रीका की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए जूलियन क्विनोनेस ने करीब से गेंद को गोल में पहुंचाकर इतिहास रच दिया। इस गोल के बाद एज्टेका स्टेडियम दर्शकों के उत्साह से गूंज उठा। दूसरे हाफ की शुरूआत में दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें और बढ़ गईं। 49वें मिनट में याया सिथोले को सीधे लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन्होंने ब्रायन गुटिरेज को गोल करने की स्थिति में रोकने का प्रयास किया था, जिसे रेफरी ने स्पष्ट गोल अवसर रोकना माना। संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाते हुए मेक्सिको ने 67वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। अनुभवी स्ट्राइकर राउल जिमेनेज ने शानदार गोल कर टीम को 2-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दक्षिण अफ्रीका की स्थिति और खराब तब हुई जब मैच के अंतिम चरण में थेम्बा ज्वाने को भी लाल कार्ड मिला और टीम नौ खिलाड़ियों तक सिमट गई। हालांकि मुकाबले के अंतिम क्षणों में मेक्सिको को भी झटका लगा जब 90 मिनट के बाद सेसर मोंटेस को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेजा गया। मेक्सिको ने इस जीत के साथ विश्व कप अभियान की शानदार शुरूआत की और घरेलू मैदान पर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन : सिंधु सेमीफाइनल में, तान्वी का सफर समाप्त

एजेंसी

सिडनी : ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में सिंधु ने चीनी ताइपे की चेन सू यू को एकतरफा अंदाज में 21-6, 21-9 से हराया। पूरे मुकाबले में सिंधु ने शुरूआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा और प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। हाल के महीनों में यह सिंधु की सबसे प्रभावशाली जीतों में से एक रही। अब सेमीफाइनल में सिंधु का मुकाबला जापान की शीर्ष वरीय खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा। दूसरी ओर भारत की युवा खिलाड़ी तान्वी शर्मा का शानदार अभियान क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। यामागुची ने तान्वी को 21-14, 21-14 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। पूर्व विश्व चैंपियन यामागुची ने अपने अनुभव और लगातार सटीक खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले की शुरूआत से नियंत्रण बनाए रखा। तान्वी ने कई अच्छे रैलियां खेलीं, लेकिन यामागुची की मजबूत रक्षा और निरंतरता के सामने वह बढ़त नहीं बना सकीं। हालांकि हार के बावजूद तान्वी का क्वार्टरफाइनल तक पहुंचना भारतीय बैडमिंटन के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। युवा खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के दौरान कई शानदार जीत दर्ज कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। सिंधु के लिए यह इस सत्र में खेले गए आठ बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टूर्नामेंट में केवल दूसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले प्री-क्वार्टरफाइनल में उन्हें भारतीय खिलाड़ी ईशरानी बरुआ के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था, लेकिन क्वार्टरफाइनल में उन्होंने पूरी तरह अलग अंदाज में जीत दर्ज की।

अफगानिस्तान प्रीमियर लीग 27 दिसंबर से फ्रेंचाइजी निवेश के लिए वैश्विक आवेदन आमंत्रित

एजेंसी

नई दिल्ली : अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि अफगानिस्तान प्रीमियर लीग (एपीएल) का पहला सत्र इस वर्ष 27 दिसंबर से शुरू होगा। टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा और इसे अफगान क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक और खेल परियोजना माना जा रहा है। लीग में कुल पांच फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी, जो अफगानिस्तान के प्रमुख क्रिकेट क्षेत्रों काबुल, कंधार, बल्ख, पक्तिया और नंगरहार का प्रतिनिधित्व करेंगी। एसीबी ने दुनिया भर के निवेशकों, खेल उद्यमियों और व्यावसायिक भागीदारों को फ्रेंचाइजी स्वामित्व प्रक्रिया में भाग लेने का आमंत्रण दिया है। इच्छुक पक्षों को अपने प्रस्ताव 30 जून तक जमा करने होंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अफगानिस्तान का उभार हाल के वर्षों में सबसे उल्लेखनीय कहानियों में से एक रहा है। राष्ट्रीय टीम ने वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान बनाई है, जबकि अफगान खिलाड़ी दुनिया की प्रमुख टी20 लीगों में लगातार प्रभाव छोड़ रहे हैं। एसीबी का मानना है कि यह लीग केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं होगी, बल्कि अफगान क्रिकेट को वैश्विक मंच पर नई पहचान देने का माध्यम बनेगी। शुरूआती चरण में निवेश करने वाले फ्रेंचाइजी मालिकों को अपनी टीम की पहचान बनाने, व्यावसायिक साझेदारी विकसित करने और लंबे समय तक मजबूत प्रशंसक आधार तैयार करने का अवसर मिलेगा। सिर्फ पांच फ्रेंचाइजी उपलब्ध होने के कारण निवेश के अवसर सीमित हैं और शुरूआती निवेशकों को भविष्य की दिशा तय करने का मौका मिलेगा। यूएई में आयोजन होने से लीग को विश्वस्तरीय स्टेडियम, प्रसारण सुविधाएं, पेशेवर उत्पादन और बड़े क्षेत्रीय दर्शक वर्ग का लाभ मिलेगा। साथ ही अफगानिस्तान की उभरती क्रिकेट प्रतिभा और विदेशी खिलाड़ियों की मौजूदगी लीग को प्रतिस्पर्धी और आकर्षक बनाएगी।

भारतीय टीम बड़ी चुनौती, लेकिन जीत के इरादे से उतरेगा अफगानिस्तान : अशमतुल्लाह शहीदी

एजेंसी

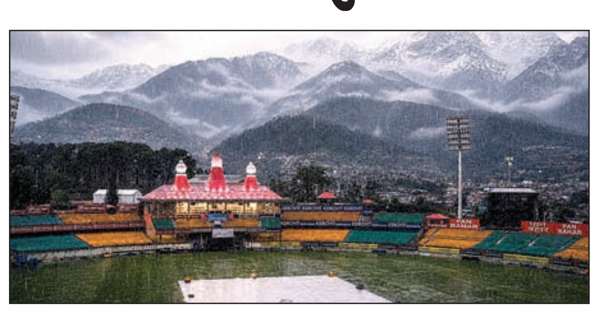

धर्मशाला : धर्मशाला स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले से पहले अफगानिस्तान के कप्तान अशमतुल्लाह शहीदी ने भारतीय टीम को दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक बताते हुए कहा कि वर्ल्ड कप-2027 अभियान की शुरूआत भारत के खिलाफ होना उनकी टीम के लिए बड़ी चुनौती के साथ-साथ सीखने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि इस मुकाबले से टीम को अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन करने में मदद मिलेगी।

धर्मशाला में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शहीदी ने कहा कि उन्होंने 2023 विश्व कप के दौरान इसी मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला खेला था। भारत की परिस्थितियां आमतौर पर स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल रहती हैं, इसलिए उनकी टीम के स्पिनरों को यहां अच्छी मदद मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम बेहद मजबूत और संतुलित है। अफगान कप्तान ने कहा कि उनकी टीम का पूरा फोकस गुणवत्तापूर्ण क्रिकेट खेलने पर है। भारत जैसी मजबूत टीम को चुनौती देने के लिए खिलाड़ी पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेंगे और दर्शकों को एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी टीम जीत के इरादे और आत्मविश्वास के साथ खेलेगी। भारतीय टीम के बारे में पूछे गए सवाल पर शहीदी ने कहा कि भारत का हर खिलाड़ी मैच का रुख बदलने की क्षमता रखता है। ऐसे में उनकी टीम इस चुनौती को स्वीकार करते हुए जीत के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। धर्मशाला से अपने जुड़ाव का जिक्र करते हुए अफगान कप्तान ने कहा कि भारत उनके लिए दूसरे घर जैसा है। खासतौर पर धर्मशाला की भौगोलिक और मौसम संबंधी परिस्थितियां काफी हद तक अफगानिस्तान से मिलती-जुलती हैं।

भारतीय हॉकी के लिए रोमांचक हैं अगले दो सप्ताह पुरुष-महिला टीमों के होंगे कई अंतरराष्ट्रीय मुकाबले

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय हॉकी प्रशंसकों के लिए आगामी दो सप्ताह बेहद रोमांचक होने वाले हैं। 14 से 28 जून तक भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें अलग-अलग महाद्वीपों में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी, जिससे लगभग हर दिन भारतीय हॉकी देखने का मौका मिलेगा। भारतीय पुरुष टीम यूरोप में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 में हिस्सा लेगी, जबकि भारतीय महिला टीम न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप खेलेगी। यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसी वर्ष विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट होने हैं। ऐसे में इन मुकाबलों को टीम संयोजन और खिलाड़ियों की तैयारी की दृष्टि से अहम माना जा रहा है। पुरुष टीम की शुरूआत रॉटरडैम में विश्व नंबर-1 नीदरलैंड के खिलाफ होगी। इसके बाद टीम मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी से लगातार दो मुकाबले खेलेगी। बाद में लंदन में भारत-पाकिस्तान की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी, जो इस दौरे का सबसे चर्चित हिस्सा मानी जा रही है। दूसरी ओर भारतीय महिला टीम का लक्ष्य नेशंस कप जीतकर अगले सत्र की एफआईएच प्रो लीग में वापसी करना होगा। ऑकलैंड में होने वाला यह टूर्नामेंट महिला टीम के लिए विश्व स्तरीय मंच पर अपनी दावेदारी मजबूत करने का अवसर है। पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह ने कहा कि यह समय खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के लिए विशेष है क्योंकि हर मुकाबले का महत्व बहुत बड़ा है। वहीं पूर्व कप्तान रानी ने कहा कि दोनों भारतीय टीमों का एक साथ इतने बड़े मंचों पर खेलना भारतीय हॉकी की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

संक्षिप्त खबरें

मुरादाबाद अंडर-12 समर क्रिकेट कप : ब्रास सिटी ने 190 रन और सीएसएस ने 17 रन से दर्ज की जीत

मुरादाबाद : मुरादाबाद अंडर-12 समर क्रिकेट कप में शुक्रवार को पहले मैच में ब्रास सिटी क्रिकेट एकेडमी ने यूथ क्रिकेट एकेडमी को 190 रन के बड़े अंतर से पराजित किया, जबकि दूसरे मुकाबले में सीएसएस क्रिकेट एकेडमी ने नेक्स्ट जनरेशन क्रिकेट एकेडमी को 17 रन से हराकर जीत हासिल की। ब्रास सिटी क्रिकेट एकेडमी के मो. अरबाज व सीएसएस के मेराज को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। रुक्मणी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले मुकाबले में श्रीब्रास सिटी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 30 ओवर में छह विकेट पर 242 रन बनाए। मो. अरबाज ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 48 गेंद पर नाबाद 97 रन बनाए, जबकि नीतीश कुमार ने 58 और अंश औलख ने 36 रन का योगदान दिया। यूथ क्रिकेट एकेडमी की ओर से रिशु मीना और अंश ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूथ क्रिकेट एकेडमी की टीम 18 ओवर में मात्र 52 रन पर सिमट गई। इसमें भव्य ने नौ और अरीब ने आठ रन का योगदान दिया। श्री एच के लिए मयंक कुमार और मयंक सैनी ने तीन-तीन विकेट झटके। मो. अरबाज को उनकी शानदार पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। इसके साथ ही दूसरे मुकाबले में सीएसएस क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 175 रन बनाए। टीम की ओर से मन्नान उमर ने 57 रन की पारी खेली, जबकि मुकुल कुमार ने 28 और शुऐब खान ने 27 रन बनाए। नेक्स्ट जनरेशन क्रिकेट एकेडमी की ओर से मो. आजम सैफी ने चार विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। जवाब में नेक्स्ट जनरेशन क्रिकेट एकेडमी की टीम 28.3 ओवर में 158 रन पर ऑलआउट हो गई। अल्यान मलिक ने 40, मो. आजम सैफी ने 37 और गुरु ने 17 रन बनाए। सीएसएस क्रिकेट एकेडमी के मेराज ने तीन विकेट लिए, जबकि कामरान, सैय्यद अदनान और मो. अबूबकर ने एक-एक विकेट हासिल किया। मेराज को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच में अंपायरिंग अंकित कुमार और प्रिंस कश्यप ने की, जबकि स्कोरिंग की जिम्मेदारी मो. अरीब ने निभाई। इस दौरान टूनार्मेंट आयोजक एवं कोच मो. हसीन, रुक्मणी ग्रुप ऑफ कॉलेज के अध्यक्ष सिद्धार्थ मलिक, मो. सयाम, मोबिन मलिक, जलालुद्दीन, ओम दत्त शर्मा, तरुण चीमा आदि मौजूद रहे।

केन विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, 16 साल के ऐतिहासिक करियर का अंत

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड के महान बल्लेबाज और देश के सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले खिलाड़ी केन विलियमसन ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। 35 वर्षीय विलियमसन ने अपने 16 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में तीनों प्रारूपों को मिलाकर 378 मैच खेले और 19,346 रन बनाए। उनके नाम 48 शतक और छह दोहरे शतक दर्ज हैं। साल 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले विलियमसन ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था और अब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पूरी तरह विदाई ले ली है। संन्यास की घोषणा करते हुए विलियमसन ने कहा, मैंने इस बारे में काफी समय तक सोचा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में मुझे स्पष्ट हो गया कि अब यही सही समय है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए मेरे भीतर हमेशा एक मजबूत जुनून और भूख रही है और मुझे इस बात पर गर्व है कि न्यूजीलैंड के लिए खेले हर मैच में मैंने अपना सब कुछ दिया। उन्होंने कहा, यदि मैं अब पहले जैसी प्रतिबद्धता और ऊर्जा के साथ नहीं खेल सकता, तो आगे जारी रखना सही नहीं होगा। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे अपनी शर्तों पर विदाई लेने का मौका मिला, मैं इस टीम को छोड़ते हुए आशावान हूं कि यह समूह आने वाले समय में बहुत आगे जाएगा। इस टीम में अपार प्रतिभा है और कुछ खास हासिल करने की सच्ची इच्छा भी है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी टीम है जिससे मैं बेहद प्यार करता हूं और इतने लंबे समय तक इसका हिस्सा रहना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही। यह हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहेगी। विलियमसन ने टेस्ट क्रिकेट में 40 मैचों में कप्तानी करते हुए 22 जीत दर्ज कीं और वह न्यूजीलैंड के दूसरे सबसे सफल टेस्ट कप्तान बने। वनडे में उन्होंने 91 मैचों में कप्तानी कर 46 जीत दिलाईं, जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय में 75 मैचों में 39 जीत के साथ वह न्यूजीलैंड के सबसे सफल कप्तान बने।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के केंद्रीय अनुबंध में डेवोनशायर, नेंसी और इजी शार्प को मिली जगह

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 2026-27 सत्र के लिए शुक्रवार को महिला टीम के 17 सदस्यीय केंद्रीय अनुबंध की घोषणा कर दी। इस सूची में फ्लोरा डेवोनशायर, नेंसी पटेल और इजी शार्प को पहली बार शामिल किया गया है। इन तीनों खिलाड़ियों को टीम में शामिल करते हुए न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अनुभवी खिलाड़ियों सुजी बेट्स, लॉरेन डाउन और लिया ताहुहू की जगह दी है। वहीं सोफी डिवाइन भी इस बार अनुबंध सूची में शामिल नहीं हैं। लॉरेन डाउन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुकी हैं, जबकि सुजी बेट्स, लिया ताहुहू और सोफी डिवाइन महिला टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगी। फ्लोरा डेवोनशायर और इजी शार्प को पिछले वर्ष न्यूजीलैंड क्रिकेट के सेंट्रल प्लेयर्स ऑफ इंटरेस्ट कार्यक्रम के जरिए तैयार किया गया था। यह कार्यक्रम प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तेजी से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए बनाया गया है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की बाएं हाथ की बल्लेबाज ऑलराउंडर फ्लोरा डेवोनशायर ने मार्च 2025 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और इसके बाद दो विश्व कप टीमों में जगह बनाई। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर नेंसी पटेल की केंद्रीय अनुबंध सूची में वापसी हुई है। उन्हें इससे पहले 2022-23 में भी अनुबंध मिला था। फरवरी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाली नेंसी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 14 विकेट लेकर शानदार शुरूआत की है। महिला टी20 विश्व कप की तैयारी के दौरान उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच में 18 रन देकर 4 विकेट भी लिए थे। टिमारू की आक्रामक बल्लेबाज इजी शार्प ने 2023 में उद्घाटन अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी की थी। 2025-26 सुपर स्मैश सत्र में उन्होंने 30 की औसत और 128 की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए अपनी टीम की सबसे सफल बल्लेबाज रहीं। मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा कि फ्लोरा की बल्लेबाजी में ताकत और विविधता है, नेंसी गेंदबाजी में बेहद अनुशासित हैं और इजी भविष्य में सोफी डिवाइन जैसी भूमिका निभाने की क्षमता रखती हैं।

एक नजर

विश्व प्रसिद्ध भारतीय निशानेबाज जसपाल राणा का निधन, खेल जगत शोकाकुल

देहरादून : दिग्गज निशानेबाज और कोच जसपाल राणा का निधन हो गया है। कुछ समय पूर्व उन्हें हृदयघात हुआ था, जिसका उपचार दिल्ली के एक अस्पताल में चल रहा था। उनके निधन की खबर से खेल जगत और उत्तराखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि उत्तराखंड के सपूत, पद्मश्री से अलंकृत, भारतीय निशानेबाजी जगत के गौरव जसपाल राणा जी के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। निशानेबाजी के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान, ऐतिहासिक उपलब्धियों एवं युवा खिलाड़ियों को दी गई प्रेरणा ने भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित किया। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका निधन खेल जगत, उत्तराखंड तथा पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।
जसपाल राणा का जन्म 28 जून 1976 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में हुआ था। वह मूल रूप से नैनबाग चिलामू के रहने वाले थे। उनके पिता नारायण सिंह राणा उत्तराखंड सरकार में खेल मंत्री रहे हैं। उन्होंने 1994 के हिरोशिमा एशियाई खेलों में 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूम मचा दी थी। महज 18 साल की उम्र में एशियाई खेलों में देश का परचम लहराने वाले जसपाल को भारतीय शूटिंग टीम का ह्यमशाल वाहकव्ह माना जाता था। उनकी उपलब्धियों की सूची बेहद लंबी है। एशियाई खेलों के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में भी उन्होंने भारत के लिए कई स्वर्ण और अन्य पदक जीते। 1995 में चेन्नई और 1999 में काठमांडू में आयोजित रअक्क्र खेलों में उन्होंने 8-8 स्वर्ण पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया। 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में उनकी महारत को आज भी मिसाल के तौर पर देखा जाता है। देश ने भी उनके योगदान को समय-समय पर सम्मानित किया।

आस्था व आर्थिकी के संगम से विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ रहा भारत : योगी

एजेंसी

लखनऊ : सेवा, सुशासन और समर्पण को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ भारतीयों की निरंतर सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में मीडिया संवाद किया। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने लोकभवन में आयोजित विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की आस्था व सांस्कृतिक विरासत को वह सम्मान प्राप्त हुआ, जिसकी लंबे समय से अपेक्षा थी। 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ और प्रधानमंत्री मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री बने, जिन्होंने राम मंदिर के शिलान्यास, प्राण-प्रतिष्ठा तथा मंदिर पर सनातन

ध्वज आरोहण जैसे तीनों ऐतिहासिक कार्य अपने कर-कमलों से संपन्न किए। अयोध्या में रामलला की प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक और केदारपुरी के पुनरुद्धार जैसे कार्य भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भी कई अवसरों पर देश की आस्था एवं सांस्कृतिक विरासत को अपेक्षित सम्मान नहीं मिला। उन्होंने स्मरण कराया कि सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री ने वहां जाने से इनकार कर दिया था और राष्ट्रपति को भी कार्यक्रम में शामिल होने से रोका गया था। इसके विपरीत आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापित किया जा रहा है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है और आज देश का प्रत्येक नागरिक नए भारत का हिस्सा होने पर गर्व महसूस कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक योजनाएं बनती रहीं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पहली बार योजनाओं को जन आंदोलन का स्वरूप मिला। जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों बैंक खाते खोले गए, स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ शौचालय बने, 4 करोड़ गरीब परिवारों को पक्के मकान मिले और आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्राप्त हुआ। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया और मुद्रा योजना जैसी पहलों ने देश को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को प्रधानमंत्री की योजनाओं का सर्वाधिक लाभ मिला है। राज्य में 65 लाख गरीबों को आवास, तीन करोड़ परिवारों को शौचालय, लगभग दो करोड़ परिवारों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन तथा 15 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिला। कोविड काल में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया गया। गरीब अब केवल वोट बैंक नहीं रहा, बल्कि विकास प्रक्रिया का केंद्र बन चुका है। महिला सशक्तीकरण पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', मातृ वंदन योजना, नारी शक्ति वंदन अधिनियम और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं ने महिलाओं को नई पहचान दी है।

इनफिनिक्स स्मार्ट 20 की बिक्री 11,999 की शुरूआती कीमत पर शुरू

एजेंसी

नयी दिल्ली : न्यू-एज स्मार्टफोन ब्रांड इनफिनिक्स ने अपने नए स्मार्टफोन स्मार्ट 20 की बिक्री 12 जून, 2026 से फ्लिपकार्ट और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर शुरू करने की घोषणा की है।
पतला, स्मूथ और मजबूत के मूल मंत्र पर डिजाइन किया गया यह स्मार्टफोन लॉन्च ऑफर्स के साथ 11,999 रुपये की प्रभावी शुरूआती कीमत पर उपलब्ध होगा। स्मार्ट 20 में 6.78 इंच का पंच-होल डिस्प्ले है, जो 120Hz रिफ्रेश रेट और 700 निट्स तक की ब्राइटनेस के साथ शानदार व्यूइंग अनुभव देता है।
डिवाइस मीडियाटेक हीलियो G81 अल्टीमेट प्रोसेसर से लैस है और इसमें 8GB तक एक्सटेंडेड रैम और 128GB स्टोरेज है, जो रोजमर्रा के कामों में बेहतरीन परफॉर्मेंस प्रदान करता है।
मजबूती और कनेक्टिविटीः स्मार्ट 20 में IP64 डस्ट और वॉटर रेजिस्टेंस, 25,000+ ड्रॉप टेस्ट और 1.5 मीटर ड्रॉप प्रोटेक्शन जैसी विशेषताएं हैं। इसके अल्ट्रा लिंक फीचर के जरिए 1 किलोमीटर तक ऑफलाइन कॉलिंग और मैसेजिंग संभव है। स्मार्टफोन में तीन इंटेलिजेंट नॉइज कैंसिलेशन मोड्स और वॉइसप्रिंट नॉइज रिडक्शन भी उपलब्ध हैं।
यह डिवाइस एंड्रॉयड 16 पर आधारित डर 16 के साथ आता है और इसमें वन-टैप इनफिनिक्स एआई फीचर्स शामिल हैं, जैसे डॉक्यूमेंट स्कैनिंग, सॉन्ग रिकग्निशन, शेड्यूलिंग और वॉइस असिस्टेंट। स्मार्टफोन की 5200अँ बैटरी 15ह फास्ट चार्जिंग और 5ह वायर्ड रिवर्स चार्जिंग को सपोर्ट करती है।

सोनी सब के कलाकारों ने अपने पसंदीदा 'चीट मील्स' के बारे में बताया

एजेंसी

मुंबई : स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखना अनुशासन, सोच-समझकर खाने और निरंतरता की मांग करता है, लेकिन हर किसी का एक ऐसा चीट मील होता है, जो सारी मेहनत को सार्थक बना देता है। फिटनेस और संतुलित खानपान सोनी सब के कलाकार इकबाल खान, मुस्कान बामने, तोरल रसपुत्रा और गुलकी जोशी की दिनचर्या का अहम् हिस्सा है, लेकिन वे मानते हैं कि कभी-कभी की गई छोटी-सी इंडल्जेंस भी उतनी ही जरूरी है। आराम देने वाले क्लासिक्स से लेकर लजीज स्ट्रीट फूड और स्वादिष्ट डेजर्ट तक, ये कलाकार बताते हैं कि कौन-सी ट्रीट उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देती है। इकबाल खान, जो यादें में डॉ. देव का किरदार निभा रहे हैं, ने साझा किया, "मैं आमतौर पर साफ-

सुथरा खाने और फिटनेस रूटीन में अनुशासन बनाए रखने की कोशिश करता हूं, लेकिन यदि कोई चीट मील है, जिसे मैं कभी मना नहीं कर सकता, तो वह बिरयानी है। एक अच्छी तरह से बनी बिरयानी खाने का मजा ही अलग होता है। मेरा मानना है कि फिटनेस का मतलब बैलेंस है और कभी-कभी अपने पसंदीदा खाने का मजा लेना बिल्कुल ठीक है।"गुलकी जोशी, जो यादें में डॉ. सृष्टि अग्रवाल का किरदार निभा रही हैं, ने कहा, "मैं खाने को लेकर सजग रहने की कोशिश करती हूँ, लेकिन मुझे मीठा बहुत पसंद है।

संक्षिप्त खबरें

बालभारती पब्लिक स्कूल के छात्र ने शतरंज के खेल में रचा नया कीर्तिमान

बिलासपुर : बालभारती पब्लिक स्कूल के कक्षा चौथी के छात्र हरीश ने शतरंज के खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया है। खेल में निरंतर अभ्यास और रणनीतिक कौशल के बल पर उन्होंने दो अलग-अलग जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। 26 अप्रैल 2026 को आयोजित अंडर-9 बालक वर्ग की प्रतियोगिता में हरीश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि 7 जून 2026 को आयोजित अंडर-11 बालक वर्ग की प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल कर उन्होंने दोहरी सफलता दर्ज की ।इन दोनों प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हरीश का चयन आगामी छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जहां वे जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय के प्राचार्य शलभ निगम ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, "हरीश की यह सफलता उनकी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। हमें विश्वास है कि वह राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाएंगे।"उन्होंने इस उपलब्धि पर विद्यालय के खेल शिक्षकों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दीं ।विद्यालय में इस उपलब्धि को लेकर हर्ष और गर्व का वातावरण है। शिक्षकों एवं सहपाठियों ने हरीश को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

प्राकृतिक खेती ही कृषि और स्वास्थ्य का सुरक्षित भविष्य : आचार्य देवव्रत

जयपुर : गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा है कि यदि समय रहते रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों के प्रति समाज और किसान जागरूक नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियां इसे कभी माफ नहीं करेंगी। आज हम खेती नहीं, पाप कर रहे हैं। प्राकृतिक खेती ही कृषि और स्वास्थ्य का सुरक्षित भविष्य है। उन्होंने कहा कि किसान वास्तव में ₹राजाओं का राजा₹ है, क्योंकि वह पूरे समाज का पेट भरने का कार्य करता है। गुजरात के राज्यपाल ने कहा कि हरित क्रांति के जनक एम स्वामीनाथन ने उस समय की जरूरत के हिसाब से ढाई एकड़ में 13 किलो नाइट्रोजन डालने की सिफारिश की थी। लेकिन आज हरियाणा-पंजाब के किसान एक एकड़ में 13 कट्टे यूरिया डाल रहे हैं। विनाश नहीं होगा तो क्या होगा, आपके द्वारा कितना कितना पाप किया जा रहा है। हमने करोड़ टन यूरिया डालकर कितनी ही पीढ़ियां बर्बाद कर दीं। कितने ही जीव जंतु खत्म कर दिए। इस जमीन पर पैदा होने वाली फसल को आप और हम सब खाते हैं।

अखिलेश यादव की बेटी पर अभद्र टिप्पणी करने वालों पर शिकंजा, कानपुर में तीन लोगों के खिलाफ केस

एजेंसी

कानपुर : सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव को लेकर अभद्र टिप्पणी और पोस्ट करने वाले तीन लोगों के खिलाफ कानपुर की साइबर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। सपा की अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव परवीन यादव की तहरीर पर कानपुर में साइबर अपराध पुलिस ने आरोपियों पर शिकंजा कसा। शिकायत में आरोप लगाया गया कि अदिति यादव की छवि को धूमिल करने और सपा प्रमुख के परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के इरादे से अपमानजनक व मनगढ़ंत सामग्री ऑनलाइन साझा की गई थी। प्राथमिकी में भरत कुमार

पटेल, नागेश्वर सिंह बघेल और विनोद कुमार यादव को नामजद किया गया है। शिकायत के अनुसार, नौ जून को भरत कुमार पटेल नाम के सोशल मीडिया पर एक खाते से कथित तौर पर अपलोड किये गये एक पोस्ट में अदिति यादव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों के साथ-साथ 'झूठे और भ्रामक' दावे शामिल थे। सम्मानित परिवार को बदनाम करने का रचा षड़यंत्र
एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पोस्ट में उन्हें कथित तौर पर चोरी और आपराधिक गतिविधियों से जोड़ा गया तथा उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने के इरादे से एक संपादित तस्वीर भी पोस्ट की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सामग्री जानबूझकर गढ़ी गई थी और एक 'सम्मानित परिवार' को बदनाम करने व सार्वजनिक आक्रोश भड़काने के लिए प्रसारित की गई थी। उन्होंने दावा किया कि दो अन्य आरोपियों ने मूल पोस्ट के जवाब में अपमानजनक टिप्पणियां पोस्ट कीं।

पुलिस ने आरोपियों पर लगाई कई धाराएं

अपर पुलिस आयुक्त विपिन ताडा ने बताया कि भरत कुमार पटेल, नागेश्वर सिंह बघेल और विनोद कुमार यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि लगाई गई धाराएं महिला की गरिमा का अपमान करने, प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के इरादे से जालसाजी व आपत्तिजनक सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक प्रसारण के माध्यम से गोपनीयता का उल्लंघन करने से संबंधित हैं। टाडा ने बताया कि मामले की जांच साइबर अपराध थाने द्वारा की जा रही है।

वैश्विक कृषि साझेदारी के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बन सकता है भारत का दृष्टिकोण : शिवराज सिंह

एजेंसी

इंदौर : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत हमेशा वैश्विक एकता, शांति और सहयोग का पक्षधर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का दृष्टिकोण "युद्ध नहीं शांति, संघर्ष नहीं समन्वय" पर आधारित है, जो वैश्विक कृषि साझेदारी के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बन सकता है।
केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान शुक्रवार को मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी और स्वच्छता के प्रतीक इंदौर में शुरू हुए ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर

पर उन्होंने भारत की कृषि शक्ति, सांस्कृतिक मूल्यों और वैश्विक सहयोग की प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में "वसुधैव कुटुंबकम" की भावना को आगे बढ़ाते हुए इस मंत्र के साथ दुनिया को एक परिवार मानते हुए शांति, समन्वय और साझेदारी आधारित विकास पर जोर दिया।

छोटे किसानों को सशक्त बनाने पर भारत का फोकस

केंद्रीय मंत्री चौहान ने "अतिथि देवो भवः" की भारतीय परंपरा का उल्लेख करते हुए सभी प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत किया और कहा कि यह संवाद विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के सामने मौजूद चुनौतियों- जैसे जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव और बाजार की अनिश्चितता का सामूहिक समाधान खोजने के लिए महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि छोटे किसान मजबूत होते हैं, तो दुनिया की खाद्य सुरक्षा स्वतः सुदृढ़ हो जाएगी। कृषि विकास में 4.5% वार्षिक वृद्धि, खाद्य उत्पादन 376 मिलियन टन तक पहुंचा उन्होंने भारत की कृषि उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि पिछले एक दशक में कृषि क्षेत्र में लगभग 4.5 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है।

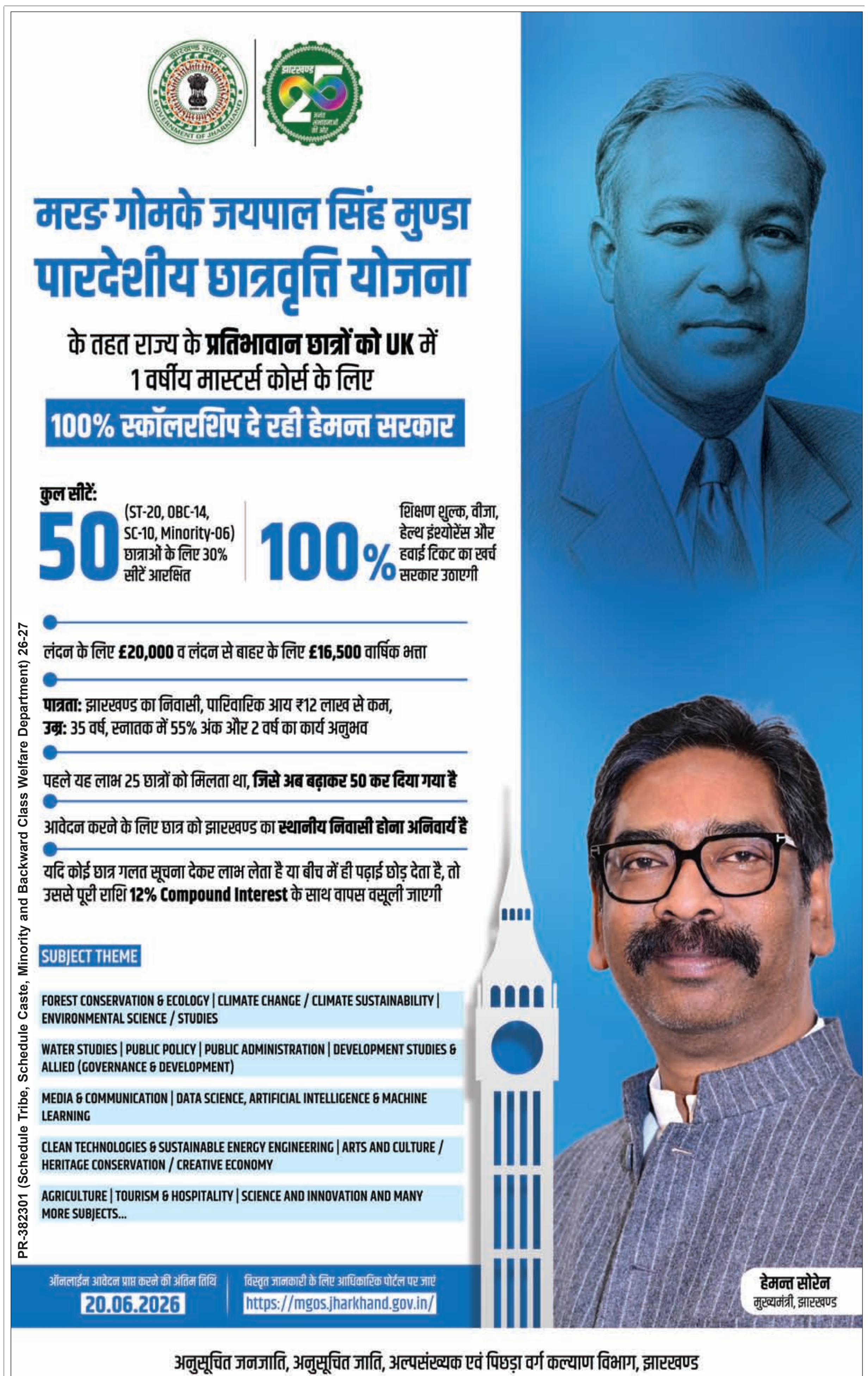

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902